जबलपुर, शुक्रवार
दिनांक 13 मार्च 2026
वर्ष 31 अंक 256
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'लोग क्या कहेंगे, अगर ये सोचकर आप कुछ नहीं कर रहे तो आप जीवन की पहली परीक्षा में हार गये'

2 उप मुख्यमंत्री आज करेंगे निःशुल्क ...
5 सरकारी खरीदी में चल रहा बिल ...
7 क्या 200 डॉलर प्रति बैरल पार हो...
11 सरसों की खरीदी के लिये भावांतर...

एलपीजी पर युद्ध...विपक्ष हुआ क्रुद्ध

विपक्षी सांसदों ने देश में रसोई गैस संकट पर संसद परिसर में किया प्रदर्शन

"अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है। बिहार के कई शहरों में 1000 रुपए वाले घरेलू सिलेंडर के लिए 1800 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश में 1900 का कॉमर्शियल सिलेंडर 4000 में बिक रहा है। उधर, कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स ने इंडक्शन पर खाना बनाना शुरू कर दिया है। इससे बाजार में इंडक्शन की डिमांड भी बढ़ गई है। जयपुर में महीने के 2500 से 3000 इंडक्शन बिकते थे। इनकी डिमांड अब 50 प्रतिशत तक बढ गई है।"

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने लोकसभा में गुरुवार को एलपीजी संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, अभी तो दर्द की शुरुआत हुई है। रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं, एलपीजी को लेकर घबराहट है और सड़क किनारे के विक्रेता प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है। अगर अमेरिका यह तय करे कि हम रूस से गैस या तेल खरीद सकते हैं या नहीं, तो यह समझ से परे है। मैं समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह पहेली क्या है और यह समझौते से जुड़ी लगती है। तेल मंत्री खुद कह चुके हैं कि वे एपस्टीन के दोस्त हैं। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। स्पीकर बिरला ने राहुल को टोका, जिस विषय पर नोटिस दिया है उस पर बोलिए। इस पर बोलना है तो नोटिस दीजिए। इतना कहते ही विपक्ष के सांसद हंगामा करने लगे। बिरला ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी से बोलने को कहा- पुरी ने जैसे ही बोलना शुरू किया एपस्टीन-एपस्टीन के नारे लगे। राहुल गांधी ने सरकार से एलपीजी की कमी से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया, इसलिए बड़ी समस्या आने वाली है। इससे पहले लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला 10 फरवरी के बाद अध्यक्ष की चेयर पर बैठे। विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज हो गया। राहुल गांधी ने कहा- प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वह देश से कह रहे हैं कि घबराएं नहीं, जबकि वह खुद परेशान लग रहे हैं।

'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब'

आज सुबह लोकसभा में विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश भर में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी की खबरों को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं में शामिल हुए। सांसदों ने संसद के बाहर 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने कहा, मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और अलग-अलग तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे, यह सब मानो सौदे में दे दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए यह हमेशा एक बहुत उलझाने वाली बात रही है कि भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें। क्यों किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति हमें अनुमति दें कि हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और हमारे अंतरराष्ट्रीय संबंध कैसे होंगे। यह मेरे लिए एक पहेली रही है और मैं इस पहेली को समझने की कोशिश कर रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि देश में एलपीजी संकट है। छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। रूस से तेल क्यों नहीं खरीद सकते। कांग्रेस सांसद ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल आपूर्ति का 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इसे बंद कर दिया गया है। इसके परिणाम भयावह होंगे। राहुल गांधी ने कहा, अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध छिड़ा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। सांसद राहुल गांधी ने कहा, प्रत्येक राष्ट्र की नींव उसकी उर्जा सुरक्षा पर टिकी होती है। अमेरिका कौन होता है यह तय करने वाला कि हम किससे तेल खरीदें, किससे गैस खरीदें और क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं। विभिन्न तेल आपूर्तिकर्ताओं के साथ हमारे संबंध हम खुद तय कर सकते हैं।

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि राहुल गांधी कायदे-कानून, नियम के अनुसार गैस की कमी के मुद्दे को उठाना चाहते थे। वो उस मुद्दे को ही उठा रहे थे और अपनी बात को कहना चाह रहे थे। लेकिन उनको बोलने नहीं दिया गया, बीच में ही रोक दिया गया। अगर वो भी अपनी बात पूरी तरह से नहीं रख सकते हैं तो आखिर फिर कौन बोलेगा?

संसद नियम से चलेगी: ओम बिरला

स्पीकर ओम बिरला ने कहा, जिस विषय पर नोटिस दिया था, मैंने उस पर बोलने का मौका दिया, लेकिन प्रतिपक्ष के जिम्मेदार नेता होने के बाद भी बिना नोटिस के किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करना संसद के नियम के खिलाफ है। ये तरीका ठीक नहीं है। इस तरीके से संसद से नहीं चलेगी। संसद नियम से चलेगी। किसी को कोई विशेष अधिकार नहीं है। स्पीकर ओम बिरला ने कहा- जब मैं बाहर किसी देश में जाता हूं और लोगों से मिलता हूं, तो मुझे भारत के लोकतंत्र पर गर्व होता है। दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा बनी रहे, इसके लिए हमें प्रयास करना चाहिए। जब-जब भी सदन में शोर होता है, तब जनता के मन में निराशा आती है। जनता के मन में विश्वास बनाए रखने के लिए सहयोग करना चाहिए। चाहे कोई सहमत हो या असहमत, सदन नियम और प्रक्रिया से ही चलेगा।

पेट्रोलियम मंत्री पूरी तरह से कंप्रोमाइज्डः कांग्रेस

लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष और राहुल गांधी के भाषण पर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, देश में एनर्जी का संकट है। हमारे पेट्रोलियम मंत्री पूरी तरह से कंप्रोमाइज्ड हैं। यही बात राहुल गांधी ने सबूतों के साथ कही है। राहुल गांधी को सच बोलने से कोई नहीं रोक सकता। वह लोगों को सच बताएंगे। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल भारत की एनर्जी सिक्योरिटी का है। भारत के नजरिए से, असली मुद्दा यह है कि भारत के लिए माल ले जाने वाले कितने भारतीय झंडे वाले कैरियर या ऑयल टैंकर को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा, हम फिर से देख रहे हैं कि जब नेता प्रतिपक्ष बोलते हैं, तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष क्या बोल सकते हैं और क्या नहीं, इस पर सैकड़ों शर्तें लगाई जाती हैं, लेकिन हमें लगता है कि जब भी निशिकांत दुबे खड़े होते हैं, तो उनका माइक चालू कर दिया जाता है।

ऊर्जा संकट से मिलकर निपटना होगा: पुरी

लोकसभा में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मौजूदा समय अफवाह फैलाने या झूठे नैरेटिव बनाने का नहीं है। देश एक बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, यह अफवाह फैलाने या फेक नैरेटिव बनाने का समय नहीं है। भारत दर्ज इतिहास के सबसे गंभीर वैश्विक ऊर्जा व्यवधान से गुजर रहा है। ईंधन की सप्लाई जारी है, गैस को घरों और खेती के लिए प्राथमिकता दी जा रही है और एलपीजी उत्पादन में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। भारत को ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहे लोगों, संकट का प्रबंधन कर रही संस्थाओं और राष्ट्रीय हितों के साथ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। पुरी ने आगे बताया कि हॉर्मुज क्षेत्र के बाहर से कच्चे तेल की सोर्सिंग लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

अब दूध बेचने वालों के लिए लाइसेंस जरूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब डेयरी सहकारी समितियों को छोड़कर सभी दूध उत्पादकों और दूध विक्रेताओं को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ऐसे सभी दुग्ध उत्पादकों और विक्रेताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू करेगी। इसके साथ ही दूध संग्रह, परिवहन में उपयोग होने वाले उपकरणों और भंडारण व्यवस्था की जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि इससे मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

युवा विधायकों का सम्मेलन 30-31 मार्च को

भोपाल। भोपाल में 30 और 31 मार्च को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के युवा विधायक जुटेंगे। भोपाल में विधानसभा के विधान परिषद भवन में युवा विधायक सम्मेलन में तीन राज्यों के युवा विधायक दो दिनों तक संसदीय प्रणाली पर विचार मंथन होगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने बताया कि युवा विधायक सम्मेलन की तैयारी चल रही है। करीब 70 से 80 युवा विधायक इस सम्मेलन में शामिल होंगे। राजस्थान और छत्तीसगढ़ से इस सम्मेलन में शामिल होने वाले युवा विधायकों की लिस्ट मांगी है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 2 अफसरों की हत्या

बदायूं। यूपी के बदायूं में ठेकेदार ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के छत्तरू यानी उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और असिस्टेंट मैनेजर सेल्स हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी अजय प्रताप सिंह उर्फ रामू प्लांट में पराली वेंडर था। तीन महीने पहले उसकी फर्म को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया था। इससे वह खुन्नस मान रहा था। उसने जान से मारने की धमकी दी थी।

4 बेटियों को कुएं में फेंक मां ने लगाई फांसी

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले में एक मां ने अपनी 4 मासूम बेटियों को कुएं में फेंकने के बाद फांसी लगा ली। महिला की पेड़ पर लटकी लाश मिली है। पति एक साल से घर नहीं आया था, जिससे महिला तनाव में थी। मामला केसली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान सविता बाई पत्नी चंद्रभान लोधी के रूप में हुई है। इसके अलावा मृतकों में चार बेटियां अंशिका (7), रक्षा (5), दीक्षा (3) और पांच महीने की मनीषा शामिल है।

छापा पड़ा तो डीजीएम ने फेंके 1.25 करोड़ के गहने

पटना में सरकारी बाबू की संपत्ति देख हर कोई हैरान

पटना

विशेष निगरानी इकाई ने गुरुवार को आय से अधिक संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार स्वास्थ्य सेवाएं आधारभूत संरचना निगम के उप महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) पंकज कुमार के ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। छापामारी के लिए पहुंची टीम को देखते ही फ्लैट में रखे करीब सवा करोड़ रुपये के हीरा, सोना और चांदी के जेवरात तथा 32 लाख रुपये नकद बाहर फेंकने की कोशिश की। बावजूद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस संपत्ति को जब्त कर लिया। एसवीयू से मिली जानकारी के अनुसार, पंकज कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डीजीएम पंकज कुमार ने पद का दुरुपयोग करते हुए करीब 13 वर्ष की सेवा अवधि में अपनी आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। इनके खिलाफ 96.46 लाख रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया। इसके बाद जांच एजेंसी ने कोर्ट से छापामारी का वारंट प्राप्त किया। गुरुवार को विशेष निगरानी इकाई की टीम ने पटना में उनके तीन ठिकानों पर एक साथ छापामारी की। इनमें कदमकुआं स्थित कोनिका मैहर अपार्टमेंट का फ्लैट, सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के रानीघाट स्थित आवास और पीएमसीएच परिसर में स्थित बीएमएसआईसीएल का कार्यालय शामिल है। छापामारी के दौरान टीम को कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी मिले हैं। जांच में पता चला है कि कंकड़बाग के पृथ्वीपुर स्थित शिवम अपार्टमेंट में उनके दो फ्लैट हैं, जबकि कदमकुआं में भी एक फ्लैट उनके नाम पर है।

बंद रहेगा 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज'

मोजतबा खामेनेई की यूएस और इजरायल को चेतावनी

तेहरान/नई दिल्ली

मोजतबा खामेनेई ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर बनने के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखना दुश्मनों पर दबाव बनाने का एक अहम हथियार है और इसे जारी रखा जाना चाहिए। राज्य टीवी पर दिए गए अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि मध्य पूर्व में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तुरंत बंद कर देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इन ठिकानों पर हमला किया जाएगा। उनके इस बयान के बाद तेल की कीमतों में फिर तेजी देखी गई। युद्ध शुरू होने के बाद से ही होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही लगभग रुक गई है,

जिससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। मोजतबा खामेनेई को 9 मार्च को ईरान का नया सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया था। इससे पहले उनके पिता अली खामेनेई की हत्या अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों में हो गई थी, जो फरवरी के अंत में शुरू हुए थे। हमले के दौरान मोजतबा खामेनेई भी घायल हुए थे। इस हमले में उनके पिता और परिवार के कुछ अन्य सदस्य मारे गए थे। अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान अपने शहीदों के खून का बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा और देश के लोगों से एकजुट रहने की अपील की। 56 वर्षीय मोजतबा खामेनेई को अपने पिता की तुलना में ज्यादा सख्त और कट्टर नेता माना जाता है। हालांकि इससे पहले वह ईरान की राजनीति में कम ही सार्वजनिक रूप से दिखाई देते थे। उनके चयन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने निराशा जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि मोजतबा खामेनेई शांति से रह पाएंगे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका का लक्ष्य तेहरान में सरकार बदलना है या नहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल हवाई हमलों से ईरान की मौजूदा सत्ता को हटाना आसान नहीं होगा।

युद्ध खत्म होने के संकेत नहीं

अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के सैन्य और महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले अभी भी जारी हैं और इस हफ्ते हवाई तथा समुद्री हमले और तेज हो गए हैं। वहीं ईरान भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

इच्छामृत्यु: कैसे लड़ी 'सम्मान से मरने' की लंबी जंग?

गाजियाबाद

भारत के कानूनी इतिहास में 11 मार्च 2026 का दिन एक मानवीय और संवेदनशील मिसाल के रूप में दर्ज हो गया, जब सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के 31 वर्षीय युवक हरीश राणा को परोक्ष इच्छामृत्यु की अनुमति दी। इस फैसले ने न केवल एक असहाय परिवार के 13 वर्षों के संघर्ष को विराम दिया, बल्कि इच्छामृत्यु से जुड़े कानून को नई दिशा भी दी। इस पूरे मामले में हरीश राणा के पिता अशोक राणा की ओर से निःशुल्क पैरवी करने वाले सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मनीष जैन बताया कि अशोक राणा से मेरी मुलाकात मोहन नगर में ब्रह्माकुमारी लवली दीदी के माध्यम से हुई। उन्होंने आग्रह किया कि कोर्ट के जरिए मदद कीजिए। पहले हम दिल्ली हाई कोर्ट गए, जहां याचिका खारिज हो गई। इसके बाद 2024 में सुप्रीम कोर्ट में दोबारा अर्जी दाखिल की। यह केस सिर्फ कानूनी बहस नहीं था, बल्कि एक पिता और माँ के अंतहीन दर्द और उसकी टूटती उम्मीदों की कहानी थी। 13 साल तक अपने बेटे को वेंटिलेटर पर जीवित रखना, हर दिन वही पीड़ा देखना यह किसी भी इंसान के लिए असहनीय है। कोर्ट ने यहां कानून के साथ-साथ करुणा को भी महत्व दिया। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में, 8 नवंबर 2024 को इस मामले में बेहद संवेदनशील आदेश दिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को हरीश राणा के लिए मेडिकल असिस्टेंस और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इससे केस को एक नई मानवीय दिशा मिली।

अंतिम फैसला कैसे आया?

11 मार्च 2026 को जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस के वी विश्वनाथन की खंडपीठ ने एक पिता की इच्छा का सम्मान करते हुए पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी। यह फैसला 2018 के कॉमन कॉज सिद्धांतों पर आधारित था, लेकिन खास बात यह रही कि यह भारत का पहला ऐसा मामला है, जिसमें कोर्ट ने सीधे तौर पर इसकी मंजूरी दी। कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिए कि हरीश राणा के जीवन रक्षक उपकरण गरिमा के साथ हटाए जाएं और पल्लिएटिव केयर के जरिए यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें किसी प्रकार की पीड़ा न हो।

इस फैसले का व्यापक असर क्या होगा?

अधिवक्ता मनीष जैन का कहना है कि यह निर्णय भविष्य में उन परिवारों के लिए रास्ता खोलेगा, जो असाध्य बीमारी और निरंतर पीड़ा से जूझ रहे हैं। कोर्ट ने साफ संदेश दिया है कि जीवन की गरिमा, केवल जीवन को खींचते रहने में नहीं, बल्कि सम्मानजनक विदाई में भी होती है। वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष जैन कहते हैं कि इस केस में मेरी भूमिका एक वकील से ज्यादा, एक संवेदनशील इंसान की थी। अगर इस फैसले से एक पिता को मानसिक शांति मिली और एक बेटे को पीड़ा से मुक्ति, तो यही मेरी सबसे बड़ी जीत है।

पेरेंट्स की सैलरी ओबीसी क्रीमी लेयर का आधार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर का फैसला केवल माता-पिता की आय के आधार पर नहीं किया जा सकता। माता-पिता या अभिभावकों के पद और सामाजिक स्थिति को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों और प्राइवेट या पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को अलग-अलग तरीके से आरक्षण दिया जाए तो यह अनुचित भेदभाव होगा। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने यह फैसला दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील को खारिज करते हुए दिल्ली, मद्रास और केरल हाईकोर्ट के फैसलों को सही माना। कोर्ट ने उन यूपीएससी कैंडिडेट्स को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में डाल दिया था। कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ने कैंडिडेट्स को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत पैमाना अपनाया। यह पूरा विवाद उन कैंडिडेट्स से जुड़ा है जिनके माता-पिता पब्लिक सेक्टर्स (पीएसयू), बैंक या इसी तरह के संस्थानों में काम करते थे। इन कुछ कैंडिडेट्स ने सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में याचिका दायर की थी।

उप मुख्यमंत्री आज करेंगे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य शुभारंभ

सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य संस्थानों के विषय विशेषज्ञो द्वारा दी जाएगी नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल संभागीय मुख्यालय के शासकीय आईटीआई परिसर में रोटरी क्लब मण्डला मैकल एवं जबलपुर, राजकृष्ण तन्खा फाउण्डेशन तथा स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में 13 मार्च को तीन दिवसीय आयोजित होने वाले विशाल रोटरी राहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आयोजित होने वाले 03 दिवसीय 13 मार्च से 15 मार्च नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में आने वाले मरीजो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। ग्रीष्मऋ्तु को दृष्टिगत रखते हुए शीतल पेयजल एवं छायादार बैठक व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध रहे एवं मरीजो को शिविर स्थल में उपचार एवं चिकित्सको को द्वारा परामर्श दिए जाने संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान चिकित्सक सुविधाओ, उपकरणो, ब्लड की उपलब्धता, सोनोग्राफी, वाहन पार्किंग, ठहरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओ पर जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियो को दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान अवगत कराया कि 13,14 एवं 15 मार्च को प्रात: 9 बजे से शाम 6 बजे तक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में सुपर स्पेशियलिटी विभागो के विशेषज्ञो द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श दिया जाएगा, जिसमें कैंसर रोग, रीढ़ रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, छाती एवं श्वास, शिशु रोग, किडनी, घुटनो, मूत्र, चर्म,कटे फटे होंठ, नाक कान,गला आदि शामिल है। साथ ही डिजीटल एक्स-रे, सोनोग्राफी ईको, ईसीजी कैंसर की जांच ऑख की जांच, डायबिटीज की जांच फेफडो की कार्यक्षमता की परीक्षण की जांच नि:शुल्क की जाएगी। निरीक्षण के दौरान रोटरी क्लब के सदस्य एवं निजी अस्पतालो के चिकित्सक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें। शिविर स्थल में आने वाले मरीजों के पंजीयन परामर्श, चिकित्सकों के बैठक व्यवस्था, दवा वितरण के लिए अलग-अलग काउन्टर बनाए गए हैं। आईटीआई के प्रशासनिक भवन में विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की बैठक व्यवस्था तथा विभिन्न जांचों हेतु उपकरणों की व्यवस्था की गई है। साथ ही बाहर से आने वाले लोगों के स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था पेमेन्ट के आधार पर ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित दीदी कैफे के माध्यम से की गई है।

राहत शिविर में सर्जरी हेतु ब्लड डोनेशन कैंप का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रोटरी क्लब द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया था। उक्त कैंप में 41 यूनिट रक्तदान कर इकट्ठा किया गया। रक्तदान शिविर में ब्राइटन स्कूल के स्टाफ एवं दिव्य मुस्कान क्लब द्वारा भी अपने महिला सदस्यों के साथ रक्तदान किया गया था। रोटेरियन परिवार के सदस्यों में से अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता की पुत्री कु.आकांक्षा एवं पुत्र सोमेश गुप्ता, के द्वारा भी रक्तदान किया गया था। विजय दुबे, राजेश गुप्ता, मनीष केजरीवाल, विपिन द्विवेदी, विनय तिवारी, मनीष केजरीवाल, डॉ दीपक कुशवाहा, सोमेश गुप्ता, प्राशी आसवानी, सुरजीत सिंह, साक्षी दुबे, संजय मिश्रा, धर्मेंद्रशर्मा, गौरव ओचानी, ज्योति मांझी, विशाल कुशवाहा, रमेश तिवारी, कृष्णा सोनी, पार्थ द्विवेदी, गोविंद यादव, मंजू गुप्ता, निभा गुप्ता, आकांक्षा गुप्ता, वंदिता गुप्ता, मोहित सिंह, अभिषेक शर्मा, जयप्रकाश साहू, पलक गुप्ता, संदीप साहू, अमित बजाज, सारांश गुप्ता, आशीष कुमार साहू, सोन किरण ताम्रकार, राजेश्वरी गुप्ता, आशीष निगम, क्षितिज कटारे रक्तदान के इस कार्यक्रम में व्यावसायिक प्रतिष्ठान श्री कृष्णा ज्वेलर्स के कर्मचारियों एवं ब्राइटन स्कूल के स्टाफ द्वारा भी रक्तदान कर समाज के प्रति अपने जिम्मेवारी को बखूबी निभाया गया। जिला चिकित्सालय की सिविल सर्जन एवं रोटेरियन डॉ.शिल्पी सराफ, एवं डॉक्टर शमीम अंसारी एवं ब्लड बैंक के स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष अमिता चपरा द्वारा उपस्थित होकर लोगों की हौसला अफजाई की गई थी। ब्लड कैंप में रोटेरियन प्रकाश गुप्ता, अजय विजरा, संजय शर्मा, राजेश श्रीवास्तव, अमित गुप्ता बंटी, अमित कुमार गुप्ता डॉ.अभिषेक गर्ग, दलजीत सिंह, विवेक खोडियार एवं सत्येंद्र सोनी, कृष्ण कुमार गुप्ता रविशंकर पाठक आदि रोटेरियन साथी उपस्थित होकर रक्तदान कर रहे लोगों की हौसला अफजाई की गई थी।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को अतिथियों द्वारा किया गया पुरस्कृत

शहडोल (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जिला पंचायत प्रभा मिश्रा ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के खिलाड़ियों को शील्ड, प्रतीक स्वरूप चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले के सभी जनपदों से बालक वर्ग की 8 टीम एवं बालिका वर्ग की 4 टीमों सहित कुल 12 टीमों ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में नगर पालिका की टीम ने प्रथम स्थान, बुढ़ार ने द्वितीय स्थान तथा ब्यौहारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बालिका वर्ग में जनपद पंचायत सोहागपुर की टीम ने प्रथम स्थान, जनपद पंचायत जयसिंहनगर ने द्वितीय स्थान तथा पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक एवं बालिका वर्ग में विजेता टीमों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम पुरस्कार 21,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 11,000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 5,100 रुपये की राशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष फूलवती सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, जिला समन्वयक अखिलेश कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी, खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने ग्राम पंचायत करुआ में आयोजित संकल्प से समाधान शिविर में सुनी लोगों की समस्याएं

कमिश्नर ने आंगनवाड़ी केंद्र में मध्यान्ह भोजन वितरण कार्य का लिया जायजा

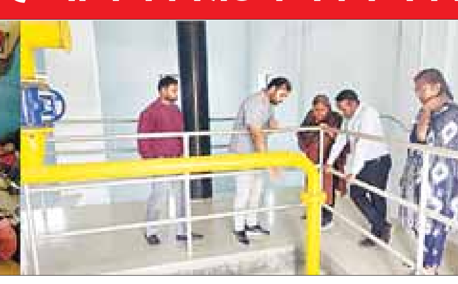

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत करुआ, असवारी एवं हर्रहाटोला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत करुआ में आयोजित संकल्प से समाधान शिविर का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने शिविर में आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके पश्चात कमिश्नर ने ग्राम पंचायत असवारी में सम्पूर्णता अभियान 2.0卐 के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा बच्चों से भोजन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में निर्धारित मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आंगनवाड़ी से संबंधित विभिन्न सूचकांकों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कमिश्नर ने आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज गर्भवती माताओं की एएनसी जांच, उन्हें दिए जा रहे टेक होम राशन वितरण की जानकारी, बच्चों एवं गर्भवती माताओं के टीकाकरण की जानकारी प्राप्त की। केन्द्र में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों के कुपोषण की पहचान हेतु वजन एवं लम्बाई की माप, पंजी का संधारण तथा बच्चों की उपस्थिति की जानकारी लेते हुए केन्द्र में शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से गर्भवती माताओं से संपर्क में रहें तथा सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कराने हेतु क्रिटिकल गर्भवती मताओं को समय रहते संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित करें। कमिश्नर ने ग्राम पंचायत हर्रहाटोला में खेत-तालाब, जल निगम से संबंधित कार्यों तथा वहां स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता के साथ प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी जयसिंहनगर काजोल सिंह तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर कुमार दिनकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन की बड़ी समीक्षा बैठक! ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में ओमप्रकाश धुर्वे (विधायक शहपुरा), जनपद पंचायत डिंडौरी की अध्यक्ष आशा धुर्वे, जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष हन्नु सिंह पट्टा, जिला सदस्य हीरा रूद्रेश परस्ते, जनपद सदस्य समनापुर पवंती कुशराम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अफजल अमानुल्लाह, महाप्रबंधक जल निगम सहित समिति के सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सबसे पहले जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल निगम द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने जिले में निर्माणाधीन डैम के कारण कुछ ग्रामों और जल जीवन मिशन के अवयवों के संभावित डूब क्षेत्र में आने की संभावना जताई। इस पर संबंधित स्थानों पर जल निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों को फिलहाल रोकने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान पाइपलाइन निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के शेष रोड रेस्टोरेशन कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। बताया गया कि ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की रिपोर्ट और अनुशंसा के बाद सत्यापन कर कार्य कराया जाएगा। बैठक में यह भी सामने आया कि कई ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाएं हस्तांतरित किए जाने के बाद जल कर की वसूली, मरम्मत कार्य, पंप ऑपरेटर के भुगतान और मोटर पंप खराब होने पर समय पर मरम्मत नहीं होने से योजनाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे ग्रामीणों में असंतोष की स्थिति बन रही है। इस पर सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ और सरपंच-सचिवों की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में निर्बाध जल प्रदाय सुनिश्चित करने के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि से अतिरिक्त पेयजल स्रोत और मोटर पंप क्रय करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत द्वारा सत्यापन के बाद आवश्यकता अनुसार ग्राम पंचायतों को राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

25 लाख का आंगनवाड़ी भवन बना शोपीस, जर्जर मकान में चल रहा केंद्र; देखरेख के अभाव में नए भवन से कीमती सामान भी चोरी

लाखों से बना आंगनवाड़ी भवन वीरान, जर्जर किराए के मकान में पढ़ने को मजबूर बच्चे

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में बच्चों के पोषण और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं की स्थिति कुछ और ही नजर आ रही है। जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत डांडबिछिया के पोषक ग्राम काशी टोला में आंगनवाड़ी केंद्र को लेकर विभागीय लापरवाही सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में करीब 25 लाख रुपये की लागत से आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कराया गया है, लेकिन विडंबना यह है कि करीब दो वर्षों से यह भवन उपयोग में ही नहीं लाया जा रहा है। नवनिर्मित भवन की देखरेख न होने के कारण वहां लगे कीमती सामानों की चोरी भी हो चुकी है, जिससे सरकारी धन की बर्बादी का आरोप लग रहा है।

वहीं दूसरी ओर जिन बच्चों के लिए लाखों रुपये खर्च कर आंगनवाड़ी भवन बनाया गया, वे आज भी किराए के जर्जर मकान में संचालित केंद्र में जाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस मकान में आंगनवाड़ी केंद्र चल रहा है उसकी हालत इतनी खराब है कि वहां छोटे बच्चों को बैठाना भी सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में भवन होने के बावजूद बच्चों को 1 से 2 किलोमीटर दूर जाकर केंद्र पहुंचना पड़ता है, जिससे बच्चों और अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब जिला मुख्यालय के नजदीक स्थित गांव में ही ऐसी स्थिति है, तो दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। उनका आरोप है कि विभागीय लापरवाही के कारण बच्चों को मिलने वाली शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग से मांग की है कि नवनिर्मित आंगनवाड़ी भवन में जल्द से जल्द केंद्र का संचालन शुरू कराया जाए, ताकि गांव के बच्चों को अपने ही गांव में सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

कलेक्टर के निर्देश पर छापा! होटल से 4 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त, संचालक पर केस

होटल में घरेलू गैस का इस्तेमाल पड़ा भारी, चार सिलेंडर जब्त

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार खाद्य विभाग द्वारा गुरुवार 12 मार्च 2026 को वार्ड क्रमांक 1 मेन रोड डिंडौरी स्थित मारवाड़ी भोजनालय में औचक निरीक्षण किया गया। जांच कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी शमीम खान तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर द्वारा की गई।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान संचालक अजय कुमार बघेल द्वारा घरेलू उपयोग के लाल रंग के एलपीजी गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। इस पर टीम ने मौके से चार घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त कर लिए।

जब्त किए गए सिलेंडरों को आगे की कार्रवाई के लिए डिंडौरी इंडेन गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दिया गया है। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध ख्रह्लह्दद्धद्दस्र क्क्रह्लह्यश्च्यद्गह्व तङ्कह्य (क्रुह्दह्वय्ड्ड-ह्लद्बशठ्ठ शद्ध स्ञ्जश्चश्च्य4 ड्डह्लस्र ष्ठद्बह्य-ह्लद्गड्ढह्वह्लद्बशठ्ठ) ह्लस्रद्गह्ल, 2000 के प्रावधानों के उल्लंघन के तहत प्रकरण तैयार किया गया है।

खाद्य विभाग ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करना प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत में वित्तीय गड़बड़ी पर बड़ा एक्शन: सरपंच, सचिव, उपयंत्री और रोजगार सहायक से होगी 19 लाख की वसूली

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला पंचायत डिण्डौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी (पंचायत) द्वारा ग्राम पंचायत पड़रियाकला में वित्तीय अनियमितता के मामले में बड़ा आदेश जारी किया गया है। जांच में अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग के आरोप सही पाए जाने पर सरपंच, सचिव, उपयंत्री और ग्राम रोजगार सहायक सहित चार जिम्मेदारों से कुल 19 लाख 7 हजार 648 रुपये की वसूली निर्धारित की गई है।

जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत डिण्डौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत प्रकरण दर्ज कर सुनवाई की गई। जांच में सामने आया कि ग्राम पंचायत पड़रियाकला में मनरेगा योजना के अंतर्गत नाला विस्तारीकरण कार्य वर्षा ऋ्तु के दौरान मजदूरों के नाम पर दर्शाकर राशि आहरित की गई, जबकि स्थल निरीक्षण में उक्त कार्य नहीं पाया गया। जांच में यह भी पाया गया कि मस्टररोल में दर्शाए गए कार्य के आधार पर लगभग 4 लाख 46 हजार 776 रुपये की राशि खर्च दिखाई गई, जिसका मूल्यांकन भी संदिग्ध पाया गया।

जांच समिति ने यह भी पाया कि ग्राम पंचायत द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 14 लाख 60 हजार 872 रुपये का व्यय किया गया, लेकिन उसके संबंध में आवश्यक अभिलेख और दस्तावेज जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए। अभिलेखों के अभाव और वित्तीय अनियमितता के कारण उक्त राशि को भी वसूली योग्य माना गया।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान संबंधित सरपंच, सचिव, उपयंत्री और ग्राम रोजगार सहायक को कई बार उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, लेकिन वे अपने पक्ष में ठोस दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद न्यायालय ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर देयता निर्धारित करते हुए सरपंच रायसिंह परस्ते और सचिव रमेश सिंह वालरे से 7-7 लाख 30 हजार 436 रुपये, उपयंत्री कमलेश धूमकेती से 2 लाख 23 हजार 388 रुपये तथा ग्राम रोजगार सहायक सज्जनदास खाण्डे से 2 लाख 23 हजार 388 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया है कि यदि सात दिनों के भीतर निर्धारित राशि जमा नहीं की जाती है तो मध्यप्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 एवं भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत संबंधितों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उपयंत्री और ग्राम रोजगार सहायक के विरुद्ध नियम विरुद्ध कार्य और शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में अलग से अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

केबल कार हवा में लटकी यात्रियों की सांसें अटकी

नर्मदा रोपवे भेड़ाघाट पर एनडीआरएफ की टीम ने किया मॉकड्रिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एनडीआरएफए वाराणसी के बचाव कर्मियों ने उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में जबलपुर नर्मदा रोपवे भेड़ाघाट में विभिन्न हितधारक संस्थाओं के साथ केबल कार की परिकल्पना पर आधारित एक सघन मॉक अभ्यास आयोजित किया। अभ्यास में जिला प्रशासनए पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी प्रमुख हितधारक एजेंसियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

आपदाओं से निपटने की तैयारी

इस दौरान टीम के मार्गदर्शन में आये एनडीआरएफ के उप कमांडेंट कुलदीप सिंह ने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य आपदा से निपटने की तैयारियों का मूल्यांकन, प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना तथा सभी हितधारक एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आपात स्थित में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

इस मॉक अभ्यास एनडीआरएफ के सामान्य निरीक्षक बृजेश कुमार तिवारी, रोपवे प्रबंधक भेड़ाघाट विजय नागदेवे एवं सुनील गर्ग आपदा प्रबंधन जबलपुर के मार्गदर्शन में किया गया।

खेत की रखवाली करने वाले वृद्ध की हुई थी हत्या

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। थाना पनागर के अंतर्गत ग्राम ककरहई रपटा तालाब के पास खेत की रखवाली करने वाले एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की अज्ञात व्यक्ति द्वारा नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मर्ग जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

सिर पर पत्थर और लाठी से किया वार, मर्ग जांच में हुआ खुलासा

जानकारी के अनुसार, ग्राम छतरपुर निवासी हल्लू कोल (60 वर्ष) पिछले करीब 2 वर्षों से रघुवीर केवट, रामनाथ और स्वराज केवट के खेतों की रखवाली का काम करते थे और वहीं बनी टपरिया में रहते थे। 3 मार्च की सुबह करीब 8 बजे गांव के अज्जू यादव ने मृतक की बेटी भूरी कोल को सूचना दी कि उसके पिता ककरहई रपटा के पास मृत अवस्था में पड़े हैं। शुरुआत में मामला संदिग्ध था, लेकिन पुलिस की मर्ग जांच और गवाहों के बयानों से तस्वीर साफ हुई। परिजनों ने बताया कि 2 मार्च की शाम से 3 मार्च की सुबह के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने लाठी, डंडे या किसी ठोस वस्तु से हल्लू कोल के सिर पर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया भगवान श्री आदिनाथ का जन्म-तप कल्याणक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रथम तीर्थकर, असि-मसि-कृषि के प्रेणता, आदि पुरुष भगवान श्री आदिनाथ का जन्म-तप कल्याणक जैन धर्मावलम्बियों द्वारा श्रद्धा और बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। भगवान श्री आदिनाथ जन्म-तप कल्याणक समारोह समिति के तत्वावधान में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दरहाई से राष्ट्र संत दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 105 निर्दोष सागर, मुनि श्री निर्लोभ सागर एवं मुनि श्री निरुपम सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। संयोजक चौधरी विजयचंद एवं लायन नरेन्द्र जैन ने रथ एवं पालकी में विराजमान भगवान श्री आदिनाथ की आरती की तत्पश्चात भगवान श्री आदिनाथ की जयघोष के साथ शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी।

शोभायात्रा के आगे धमाल पार्टी, उपदेश बैनर, धर्मध्वजा, अश्व पर धर्म ध्वजा लिये बालकगण, धार्मिक भजन प्रस्तुत करता बैण्ड दल, ढुल ढुल घोड़ी, भगवान श्री आदिनाथ, आचार्य श्री विद्यासागर महाराज, आचार्य श्री समय सागर महाराज एवं निर्यापक मुनि सुधा सागर के चित्र, धूप घट, अहीर नृत्य, पालना, झांकी, दिव्य घोष, विभिन्न वेश-भूषा में महिला परिषद की टीम, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (बरियावाला), श्री नन्हे जैन मंदिर, जाप मंडल, श्री चन्द्रप्रभु जैन मंदिर संगम कालोनी, लार्डगंज जैन मंदिर की मनोहारी रजत पालकी एवं श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर चौधरी दरहाई तथा श्री शासनोदय तीर्थ हनुमानताल के भव्य रजत रथ पर विराजमान भगवान श्री आदिनाथ के साथ विशाल जनसमूह चल रहा था।

आकर्षण का केंद्र बनी शोभायात्रा

शोभायात्रा के आकर्षण के केन्द्र रजत पालकी एवं विमान में विराजित श्री जी की प्रतिमा की संपूर्ण शोभायात्रा मार्ग पर श्रावकगणों द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ रांगोली बनाकर, आरती उतारकर आगवानी की गयी। शोभायात्रा में आयोजक डॉ. ऋषभ चौधरी, लायन नरेन्द्र जैन, विनय सक्सेना, अमरीश मिश्रा, रज्जू सराफ, श्री दिगम्बर जैन पंचायत सभा अध्यक्ष कैलाश जैन, राजेन्द्र जैन, अनिल जैन, शोभायात्रा संयोजक राकेश दाऊ, जैन नितिन बेटिया, गौरव जैन, चक्रेश नायक, सुबोध कामरेड, डॉ. संजय जैन, डॉ.स्वप्निल जैन, सुनील गढ़वाल, मनीष जैन, रवि चौधरी आदि उपस्थित रहे।

भारी अव्यवस्थाओं के बीच मूल्याकंन कर रहे शिक्षक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य कर्मचारी संघ ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मूल्यांकन केंद्र शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल में अव्यवस्थाओं से भरा पड़ा हुआ है। इस वर्ष का कक्षा 5वीं एवं 8वीं का मूल्यांकन केंद्र शासकीय माध्यमिक विद्यालय चेरीताल मे बनाया गया है। जहां मूल्यांकन कार्य के प्रथम दिन से ही अव्यवस्थाएं बनी हुई है। उक्त आरोप लगाते हुए राज्य कर्मचारी संघ ने बताया कि मूल्यांकनकर्ताओ को टूटी टेबिल कुर्सी पर बैठना पड़ रहा है। बाथरूम गंदे पड़े है जिससे, वहां जाना भी दूभर है। उनका आरोप है कि अधिकारी डरा धमकाकर शिक्षकों मूल्यांकन केंद्र मे भेज रहे है और उनका वेतन काटने के लिए दबाव बना रहे है। इस संबंध में संघ के संघ के देवेन्द्र पचौरी आलोक अग्निहोत्री, ब्रजेश मिश्रा, प्रशांत सोंधिया, नरेश शुक्ला, वीरेन्द सिंह आदि ने जिला प्रशासन इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

रेल मजिस्ट्रेट के औचक निरीक्षण से यात्रियों में मचा हड़कंप

ट्रेन में पकड़े गए बेटिकिट यात्री, वसूला जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल में रेलवे नियमों के प्रभावी पालन तथा बिना टिकट एवं अनाधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रेलवे मजिस्ट्रेट वेदप्रकाश सगर द्वारा जबलपुर से सतना के मध्य विशेष औचक टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत रेलवे मजिस्ट्रेट द्वारा महाकौशल एक्सप्रेस में जबलपुर से सतना के बीच विशेष चेकिंग की गई। प्राप्त शिकायतों के अनुसार अप-डाउन करने वाले कुछ यात्रियों द्वारा एसी एवं स्लीपर कोचों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने की सूचना के आधार पर यह कार्यवाही की गई। चेकिंग के दौरान मजिस्ट्रेट के साथ सीटीआईएसएसएच आब्दी के नेतृत्व में टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम भी मौजूद रही।

120 यात्रियों के विरुद्ध हुई कार्यवाही-जांच के दौरान कुल 47 यात्री बिना टिकट तथा 73 यात्री अनाधिकृत रूप से यात्रा करते हुए पाए गए। इस प्रकार कुल 120 यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रेलवे द्वारा 59,680 का जुर्माना वसूल किया गया। सतना से वापसी के दौरान ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में भी विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया तथा यात्रियों को नियमों का पालन करते हुए वैध टिकट के साथ यात्रा करने की सलाह दी गई। चेकिंग अभियान में आत्मानंद श्रीवास्तव, एसके हांडे, वेदानंद श्रीवास्तव, सागर एवं संदीप राय सहित टिकट चेकिंग स्टाफ शामिल रहे। वहीं न्यायालय की ओर से मनोज जायसवाल एवं अंकुर जैन का सहयोग प्राप्त हुआ।

नगर निगम ने की अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

जबलपुर। मां नर्मदा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने छोटी लाइन फाटक से गौरीघाट तक के मार्ग को दिन-रात कार्यवाही कर अतिक्रमण मुक्त कर दिया है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में गौरीघाट रोड़ के अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई। इस संबंध में अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से ने बताया कि सड़क किनारे बेतरतीब फैले अतिक्रमण के कारण श्रद्धालुओं को घंटों जाम से जूझना पड़ता था। विशेषकर पर्वों और महत्वपूर्ण तिथियों पर पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही कठिन हो जाती थी। नगर निगम के अतिक्रमण विभाग ने सुबह से शाम तक मुस्तैदी दिखाते हुए फुटपाथों और सड़कों को साफ कराया, जिससे अब यह मार्ग काफी चौड़ा और व्यवस्थित नजर आ रहा है।

कुख्यात सटोरिया चूना सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

क्राईम ब्रांच, केण्ट, सिविल लाईन और बेलबाग पुलिस की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। क्राईम ब्रांच की टीम ने केण्ट पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सदर की गली नंबर-16 से कुख्यात सटोरिये रीतेश चौकसे उर्फ चूना को धर दबोचा। इसके साथ ही क्राईम ब्रांच की टीम ने सिविल लाईन, बेलबाग पुलिस के साथ मिलकर चार अन्य सटोरियों को दबोचा है। पुलिस ने पांचों आरोपियों के पास से 31 हजार 640 रुपये की नगदी व सट्टा पट्टी, रसीद बुक व केलकुलेटर जब्त कर उनके खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। जिनमें दो आरोपी शातिर बदमाश है, जिनके खिलाफ कई अपराधिक मामले दर्ज है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने केण्ट पुलिस के साथ मिलकर सदर की गली नंबर-16 में दबिश दी। जहां से पुलिस ने रीतेश उर्फ चूना चौकसे उम्र 36 वर्ष निवासी गली नम्बर 16 सदर केण्ट को हिरासत में लिया। जिसके पास से दो सट्टा पट्टी, 1 पैन तथा तथा आरोपी द्वारा पुलिस को देखकर फाड़ी हुयी सट्टा पट्टी के 14 टुकड़े एवं नगदी 13 हजार 510 रूपये जब्त किये गये। पुलिस ने बताया कि आरोपी रीतेश उर्फ चूना चौकसे पुराना सटोरिया है। जिसके विरूद्ध मारपीट, आर्म्स एक्ट तथा सट्टा एक्ट सहित पूर्व से 39 अपराध पंजीबद्ध हैं।

दिहाडी में करवा रहा था सट्टा पट्टी लिखने का काम

इसी प्रकार पुलिस ने बेलबाग के भानतलैया पुरानी कलारी के पीछे दबिश देकर रोहित सोनकर पिता चंद्रशेखर सोनकर उम्र 19 वर्ष निवासी खटीक मोहल्ला बेलबाग को हिरासत में लिया। जिसके पास से सट्टा पट्टी की रसीद बुक व 71 सौ रुपये की नगदी बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी रोहित ने शेखर सोनकर पिता परसराम सोनकर निवासी खटीक मोहल्ला के कहने पर सट्टा पट्टी लिखना बताया। जिसके एवज में शेखर सोनकर द्वारा तीन सौ रूपये दिहाड़ी देना बताया। जिसके बाद पुलिस ने भानतलैया से आरोपी शेखर सोनकर पिता परसराम सोनकर उम्र 45 वर्ष को भी धर दबोचा। आरोपी शेखर सोनकर अपराधिक प्रवृति का है। जिसके विरूद्ध पूर्व से मारपीट एवं आबकारी एक्ट सहित कुल 16 अपराध पंजीबद्ध हैं। वहीं सिविल लाईन के पावर हाउस इंदिरा मार्केट के पास से पुलिस ने निखिल सोनकर पिता राजकमल सोनकर उम्र 36 वर्ष निवासी खटीक मोहल्ला घमापुर को पकड़ा। जिसके पास से पुलिस ने तीन नग सट्टा पट्टी के बंडल, पेन, स्टेपल, 1 केलकुलेटर, नगदी 9 हजार 30 रूपये जप्त किये गये।

होटल के पास दी दबिश

इसी प्रकार इंदिरा मार्केट में मुखबिर की सूचना पर दबिश देते हुये सट्टा पट्टी लिखते हुये आरोपी कमलेश सेन उम्र 45 वर्ष निवासी शुक्ला होटल के पास घमापुर को रंगे हाथ पकड़ा गया। जिसके कब्जे से सट्टा पट्टी एवं नगदी 870 रूपये जप्त किये गये। इसके अलावा अशोक कलार उम्र 34 वर्ष निवासी खेरमाई मंदिर के पास गोरखपुर को भी पुलिस ने इंदिरा मार्केट में सट्टा पट्टी लिखते हुए धर दबोचा। जिसके पास से सट्टा पट्टी एवं नगदी 1130 रुपये जब्त किये गये। पुलिस ने सभी सटोरियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की।

जनरेटिंग कंपनी कार्मिकों, पेंशनर्स के हित में लगातार कर रही कार्य : एमडी

जबलपुर (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के पदाधिकारियों ने फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, यू के पाठक, विमल महापात्र,अनूप वर्मा, दिनेश दुबे,उमाशंकर दुबे, मोहित पटेल,बी एम तिवारी, योगेश पटेल, एस के यादव, अक्षय श्रीवास्तव के साथ मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह का स्वागत कर चर्चा की इस अवसर पर जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर कामर्शियल मिलिन्द भान्दक्कर उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं पावर जनरेटिंग कंपनी अपने सभी श्रेणियों के कर्मचारियों व पेंशनर्स के लिए सकारात्मक सोच के साथ लगातार कार्य कर रही है। उनके हित संवर्धन, बेहतरी व सुरक्षा के प्रति सदैव संवेदनशील रहतीं है। कंपनी की आवश्यकता अनुसार शासन,ऊर्जा विभाग द्वारा नया ओ एस स्वीकृत हो गया है। कंपनी ने कार्मिकों, पेंशनर्स के हित को दृष्टिगत रखते हुए बेहतरीन कैशलैस बीमा योजना प्रारंभ कर दी है। इस योजना समुचित लाभ मिल सके इसलिए लगातार नये अच्छे अस्पतालो को जोड़ने के लिए कार्य किया जा रहा है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों, संविदा कर्मियों और पेंशनर्स के लिए बेहतरीन कैशलैस बीमा योजना प्रारंभ कराने में पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका है।

आजीविका गतिविधियां अपनाकर महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं शांति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत पनागर विकासखंड के ग्राम तिलगवां की स्वसहायता समूह सदस्य शांति धुर्वे, ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी हैं। शांति धुर्वे द्वारा आधुनिक तकनीक के साथ आजीविका गतिविधियों का संचालन अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। शांति धुर्वे ने अपने खेत में शेडनेट के माध्यम से टमाटर एवं शिमला मिर्च की उन्नत खेती शुरू की है। इसके साथ ही उन्होंने मुर्गी पालन का व्यवसाय भी अपनाया है, जिसमें कोकरेल, सोनाली एवं ब्रायलर प्रजाति की मुर्गियों का पालन किया जा रहा है। इन विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से वे निरंतर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

उनके इस सफल प्रयास को देखने और समझने के लिए बजरंग स्वसहायता समूह, रानी दुर्गावती स्वसहायता समूह तथा नव दुर्गा स्वसहायता समूह की दीदियां उनके यहां पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने शांति दीदी के कार्यों को करीब से देखा और शेडनेट खेती तथा मुर्गी पालन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शांति धुर्वे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यदि महिलाएं आत्मविश्वास, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ आजीविका गतिविधियों को अपनाएं तो वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उनके इस मॉडल से प्रेरित होकर सभी स्वसहायता समूह की दीदियों ने भी अपने गांवों में विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाने का संकल्प लिया। ब्लॉक प्रबंधक रिशा पाण्डेय ने बताया कि ग्राम तिलगवां की शांति धुर्वे का यह प्रयास यह सिद्ध करता है कि यदि ग्रामीण महिलाएं एक साथ कई व्यवसायों को अपनाएं तो वे अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

उन्होंने बताया कि जिला प्रबंधक श्रीमति अंजुला झा जिला प्रबंधक कृषि डीपी तिवारी और पूरे जिले के अधिकारियों का मार्गदर्शन हमेशा मिलता है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोक गहलोत का हमेशा यह प्रयास रहता है कि ग्रामीण महिलाओं को कैसे स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए।

जीपीएफ से संबंधित समस्याओं के लिए लगाया जाएगा शिविर

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। मप्र राज्य विद्युत मण्डल की विभिन्न उत्तरवर्ती कंपनियों से सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के सामान्य भविष्यनिधि (जीपीएफ) भुगतान या अंतिम या अनंतिम आहरण आदि से संबंधित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के संबंध में एक शिविर का आयोजन 16 मार्च को किया गया है। यह शिविर विद्युत कंपनियों के मुख्यालय शक्तिभवन स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय में 11 बजे से प्रारंभ होगा। शिविर में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित समस्याओं का निराकरण और जीपीएफ पार्ट फाइनल एवं ऋण (लोन) आहरण के प्रकरण की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। समस्त उत्तरवर्ती विद्युत कंपनियों के कार्मिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस शिविर का लाभ उठाएं।

नवरात्रि पर्व पर मैहर स्टेशन पर होगा 15 जोड़ी ट्रेनों का ठहराव

यात्री सुविधाओं को देखते हुए पमरे ने दिया 5 मिनट का अस्थाई हाल्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहार नवरात्रि मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली 15 जोड़ी रेलगाड़ियों का मैहर स्टेशन पर 19 मार्च से 01 अप्रैल तक 5 मिनट का अस्थाई हाल्ट प्रदान किया गया है। इसी कड़ी में गाड़ी संख्या 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 03.15/03.20 बजे 18 से 30 मार्च तक। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 20.25/20.30 बजे दिनांक 20 मार्च से 01 अप्रैल तक। गाड़ी संख्या 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 03.15/03.20 बजे 19 से 31 मार्च तक। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस का मैहर स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 20.25/20.30 बजे दिनांक 19 से 30 मार्च तक हॉल्ट दिया गया है।

इन ट्रेनों का भी रहेगा ठहराव

इसी कड़ी में गाड़ी संख्या 12669, गाड़ी संख्या 12670 छपरा-चेन्नई एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 19051-19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 11045-11046 धनबाद-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15268-15267 रक्सौल-एलएलटी एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 18201-18202 नवतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 11037-11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 17610-17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 22103-22104 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 18610-18609 रांची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 22971-22972 पटना-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 22131-22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15647-15648 गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 19045-19046 छपरा-सूरत एक्सप्रेस को भी मैहर स्टेशन पर 5 मिनिट का ठहराव दिया गया है।

बढेंगे संपत्तियों के रेट.!

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

वितीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रचलित गाइडलाइन जे पुनवेक्षण हेतु मंगलवार 10 मार्च को स्थानीय कलेक्ट्रेट सभागार में उमरिया कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित जिला मूल्यांकन समिति के संयोजक पंकज कोरी ने बताया कि उमरिया गाइड लाइन संपदा एप्लीकेशन 2.0 से प्राप्त गाईडलाईन एनालिसिस डाटा अनुसार कुल प्राप्त लोकेशनों की संख्या 846 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से कुल लोकेशन 846 मे से 23 लोकेशन डिलीट कर वित्तीय वर्ष 2026-27 मे कुल लोकेशनो की संख्या घटकर 823 हो गई हैं। प्रस्तााावित वृध्दि लोकेशनों की संख्य 380 है जो कि कुल गाइड लोकेशन की दर 46.34 प्रतिशत लोकेशनो में वृध्दि हेतु

प्रस्तावित है। बैठक में जिले की विभिन्न लोकेशनों पर 5 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृध्दि किया जाना प्रस्तावित किया गया। जिले के मानपुर स्थित ग्राम लौंगा विरान एवं लौंगा विरान मुख्य मार्ग पर स्थित लोकेशन को तिशिष्ट ग्राम की श्रेणी में सम्मिलित एवं मानपुर तहसील में स्थित सभी नगरीय लोकेशनों में कृषि भूमि में सिंचित एवं असिचित के दर समान होना है। उप जिला मूल्यांकन समिति द्वारा पारित प्रस्ताव में निर्णय लिया गया कि कुल गाईक लाईन लोकेशन 846 में से ऐसे 28 लोकेशन जो वार्ड में सम्मिलित होने के कारण क-27 में हटा दिये गये है उनमे से उमरिया खारा व आस-पास का क्षेत्र उभरिया बनाना को मर्ज न करके विशिष्ट ग्राम की श्रेणी में रखा जाये इस प्रस्ताव को भान्य बनते हुये 20 में से 03 लोकेशन उमरिया खास समरिया खास मुख्य मार्ग पर एवं उमरिया ताजा यथास्थिति विशिष्ट धाम में रखते हुये शेष 23 लोकेशन को विलिट करने पर प्रस्ताव अनुसार सहमति दी गई। एवं प्रस्तावित 20-40 में 30 प्रतिशत प्रस्तावित वृद्धि एवं 40-60 में 50 प्रतिशत प्रति वृद्धि रखे जाने का प्रस्ताव अमान्य करते हुये पूर्व प्रस्तावित वृद्धि प्रतिशत को सर्वसम्मिति से उप जिला मूल्याकंन समिति द्वारा मान्य किया गया जिसे जिला मूल्याकंन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष करकेली प्रियंका मून सिंह,वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,जिला पंजीयक पंकज कोरी,उप पंजीयक आशीष श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन, सीएमओ किशन सिंह समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने ली भाजपा कोर कमेटी की बैठक

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गुरुवार 12 मार्च को मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के राज्यमंत्री और उमरिया जिले के प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान जिले के दौरे पर पहुंचे हुए थे, जहां उन्होंने स्थानीय सर्किट हाउस में भाजपा कोर कमेटी की बैठक ली है। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल,मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह, बांधवगढ़ के विधायक शिवनारायण सिंह,संभागीय संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया, जिला प्रभारी राजेंद्र पांडे, और पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे मौजूद रहे।

बैठक में प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान ने भाजपा के द्वारा आगामी दिनों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग का कार्यक्रम जिले के सभी मंडलों में किया जाना है

इसको लेकर सभी कोर कमेटी के सदस्यों से चर्चा की है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में सभी मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग किया जाना है जिसकी रूपरेखा को लेकर विचार किया गया है। इसके अलावा प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान ने सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष के साथ अलग से बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान मंडल के अध्यक्षों ने प्रभारी मंत्री के समक्ष अपनी बात भी रखी है। बैठक में नगर मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह, उमरिया ग्रामीण मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार द्विवेदी, चंद्र मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह रघुवंशी, कोहका मंडल अध्यक्ष शिवकुमार साहू, घुनघुटी मंडल अध्यक्ष अशोक नायक, मानपुर मंडल अध्यक्ष राममोल केवट सहित अन्य मंडलों के मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बाँधवगढ़ ताला से परासी मोड़ तक सड़क के दोनों ओर पटरी भरवाई में घोर लापरवाही...!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

मानपुर से लगभग 10 किलोमीटर दूर बाँधवगढ़ ताला से परासी मोड़ तक सिंगल रोड होने के कारण आये दिन दुर्घटनाये हो रही हैं! सड़क के किनारे पटरी भरने के काम में भारी लापरवाही सामने आई है। जिम्मेदार विभाग द्वारा मुरूम डालकर पटरी समतल करने के बजाय बड़े-बड़े बोल्डर पत्थर डाल दिए गए हैं, वहीं लेविल म मिलाने से कई जगह नाली और बड़े गड्ढे बने हुयेहैं, जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, यहां से गाड़ी पासिंग नही हो पाता है, दुपहिया वाहन वाले कई वार लड़खड़ा कर गिर जाया करते हैं, इस रोड पर रात्रि का सफर करना तो किसी जानलेवा मुसीबत ये कम नहीं है। बाँधवगढ़ में देश विदेश से पर्यटक आते है लेकिन उमरिया से ताला तक आने में हालत खराब हो जाती है जिस बजह से बांधवगढ़ नेशनल पार्क एवं ब्यापार पर भी प्रभाव पड़ता है स्थानीय लोगों का कहना है कि पटरी पर बड़े पत्थर होने से पैदल चलना मुश्किल है तो गाड़ी कैसे चलेगी कई जगह पत्थर इतने बड़े हैं कि लोगों को

सड़क पर उतरकर चलना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि अगर पटरी में मुरूम या मिट्टी डालकर उसे समतल किया जाता तो लोगों को चलने में आसानी होती। लेकिन बड़े पत्थर डालने से पटरी का उपयोग लगभग असंभव हो गया है। नागरिकों ने उमरिया कलेक्टर से मांग की है कि पटरी में डाले गए बड़े पत्थरों को हटाकर मुरूम डलवाई जाए और उसे समतल किया जाए,ताकि राहगीरों को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिल सके। लोगों का कहना यह भी है कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और आम लोगों की सुविधा का ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि जनता को परेशानी न हो।

वन्य जीव तेंदुआ का वन परिक्षेत्र धमोखर अंतर्गत बीट रायपुर में मिला शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उप संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि गुरुवार 12 मार्च को एक वन्यजीव तेन्दुआ के शव प्राप्त होने की घटना वन परिक्षेत्र धमोखर बफर अंतर्गत बीट-रायपुर के कक्ष क्रमांक- पीएफ 173 में वन गश्ती के दौरान तेंदुआ की मुत्यु होना प्रकाश में आई है। जिस पर एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया गया व डॉग स्क्वाड तथा मेटल डिटेक्टर की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। प्रथम दृष्टया वन्यजीव तेन्दुआ की मौत अन्य मांसाहारी वन्यप्राणी के द्वारा आपसी संघर्ष के कारण होना पाया गया।

सील फाउंडेशन द्वारा आयोजित, प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली जिला उमरिया के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन द्वारा जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ल के मुख्यातिथ्य में सेक्टर करकेली व घुलघुली की प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत जनपद सभागार करकेली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथि व उपस्थित सदस्यों का स्वागत अभिनन्दन कर किया गया। जिसके बाद प्रथम सत्र में सील फाउंडेशन अध्यक्ष दीपक नामदेव द्वारा मध्यप्रदेश जन

अभियान परिषद का परिचय देते हुए परिषद की रूपरेखा व अवधारणा के बारे में बताया गया। द्वितीय सत्र में सील फाउंडेशन सचिव संदीप शुक्ला द्वारा सृजन योजना व प्रस्फुटन योजना के बारे में बताते हुए, कार्य दायित्व के संबंध में बताया गया। तृतीय सत्र में जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ल द्वारा समितियों के दस्तावेजीकरण पर प्रकाश डालते हुए, दस्तावेज संधारण व कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया। चतुर्थ सत्र में परामर्शदाता सोनाली तिवारी द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे बताया गया। पांचवे सत्र में सीएम सोशल इंटर्न रोशनी यादव द्वारा परिषद द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के संबंध ने बताया गया। छठवें सत्र में दीपक नामदेव द्वारा एक्टिविटी के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ताओं को बौद्धिक विकास पर चर्चा की गई। अंतिम व समापन सत्र में प्रतिभागियों का फीडबैक लिया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने कहा कि प्रशिक्षण उनके लिए अत्यंत उपयोगी व सार्थक है। कार्यशाला में सेक्टर करकेली व घुलघुली के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य प्रतिभागी के रूप में उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने जिले के प्रथम अटल सुशासन भवन का गोपालपुर में किया लोकार्पण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गुरुवार 12 मार्च को प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग एवं जिला

प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने करकेली विकास खंड के ग्राम गोपालपुर में 37.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल सुशासन भवन नवीन ग्राम पंचायत भवन का लोकापर्ण किया एवं पंचायत का निरीक्षण किया। अटल सुशासन भवन में सरपंच कक्ष,सचिव कक्ष, अभिलेख कक्ष,कम्प्यूटर कक्ष, अतिथि कक्ष,रसोई कक्ष , सभाकक्ष का निर्माण किया गया है।निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत गोपालपुर है। इसकी विशेषता यह है कि यह पंचायत भवन जिले का पहला अटल सुशासन भवन है।जिले में कुल 20 अटल भवन स्वीकृत किए गए हैं। इस अवसर पर विधायक बाँधवगढ़ शिव नारायण सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत करकेली प्रियंका मून सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,सरपंच बेला बाई बैगा,आसुतोष अग्रवाल, सीईओ जनपद पंचायत करकेली ऋषभ शुक्ला सहित जिला प्रमुख अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दो मासूम बच्चों को छोड़ गई माँ!

महिला का फांसी पर झूलता मिला शव

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट शहर के वार्ड क्रमांक 02, पंप हाउस गली में उस वक्त मातम छा गया, जब 34 वर्षीय तरूणा वराडे का शव उनके ही बेडरूम में फांसी के फंदे पर झूलता मिला। यह घटना केवल एक कथित आत्महत्या नहीं, बल्कि उन अनसुनी चीखों का परिणाम है जो अक्सर बंद दरवाजों के पीछे दम तोड़ देती हैं। तरूणा के पिता सदाराम ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी शिक्षित थी और अपने दो नन्हे बच्चों से बेहद प्यार करती थी। उनके अनुसार, आठ साल पहले बड़े अरमानों के साथ छिंदवाड़ा से बालाघाट विदा हुई तरूणा अक्सर घरेलू प्रताड़ना का जिक्र करती थी, लेकिन समाज और परिवार की दुहाई देकर उसे चुप करा दिया जाता था। आज वही चुप्पी एक पिता की उम्र भर की टीस बन गई है। पुलिस के अनुसार, यह बात सामने आई है कि तरूणा का पति पिछले एक साल से बेरोजगार था। घर चलाने की

जिम्मेदारी तरूणा के कंधों पर थी, जो घरेलू कामकाज के साथ-साथ पतंगें बनाकर अपनी गृहस्थी को सहेजने की कोशिश कर रही थी। गुरुवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद जब शव परिजनों को सौंपा गया, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। एएसआई भुनेश ठाकरे ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मायके पक्ष द्वारा लगाए गए प्रताड़ना के आरोपों की गहनता से जांच की जा रही है। फिलहाल ससुराल पक्ष ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन दो मासूम बच्चों के चेहरों पर पसरा सन्नाटा कई सवाल खड़े कर रहा है।

वन विभाग ने घर में छापा मार अवैध सागौन की लकड़ी पकड़ा, आरोपी पर मामला दर्ज

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के नौरोजाबाद वन परिक्षेत्र के हड़हा गांव में वन विभाग ने बुधवार 11 मार्च को एक घर पर छापा मारा। इस कार्रवाई में लगभग 35 हजार रुपए मूल्य की अवैध सागौन की लकड़ी जब्त की गई है। आरोपी सुखदास कोरी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि एक घर में अवैध रूप से सागौन की लकड़ी रखी हुई है। इस सूचना के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी वन कुलदीप त्रिपाठी ने एक टीम गठित कर तलाशी के निर्देश दिए। टीम ने बुधवार को आरोपी के घर पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान टीम को घर से सागौन की पटिया और अन्य

लकड़ी बरामद हुई। वन विभाग ने लकड़ी जब्त कर आरोपी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण (पीओआर) दर्ज किया है। बताया गया है कि सुखदास कोरी लकड़ी से फर्नीचर बनाने का काम करता है और वह पहले से ही वन विभाग की निगरानी में था। उपवन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष तिवारी ने बताया कि इसी क्षेत्र में करीब 10 दिन पहले भी कार्रवाई करते हुए तीन बाइकें जब्त की गई थीं। इसके बाद से विभाग लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहा था। बुधवार की कार्रवाई इसी क्रम में की गई है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

वन सुरक्षा समिति चुनाव में धांधली का आरोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वन विकास निगम वारासिवनी अंतर्गत ग्राम ग्राम भजियादण्ड में वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई है, जिसके विरोध में ग्रामीणों ने परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी और सभांगीय प्रबंधक वन विकास निगम बालाघाट को शिकायत सौंपकर चुनाव निरस्त करने की मांग की हैं। शिकायतकर्ता लखनलाल रहांगडाले, देवेन्द्र मोरकुरे और डॉ. मुकेश तुरकर ने बताया कि 9 मार्च को पंचायत द्वारा मुनादी कराई गई थी कि केवल चुनाव संबंधी विचार-विमर्श के लिए 11 मार्च को बैठक होगी। इसमें चुनाव की तारीख या समय का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं था। जिसको लेकर 11 मार्च को बैठक के दौरान डिप्टी रेंजर आर.के. मेश्राम ने पहले कहा था कि चुनाव प्रक्रिया 11 मार्च से शुरू होगी, लेकिन बाद में बिना किसी सार्वजनिक सूचना के आनन-फानन में प्रक्रिया पूरी कर दी गई। आरोप है कि सरपंच, उपसरपंच और ग्रामसभा के अन्य सदस्यों की अनुपस्थिति में अधिकारियों ने अपने पसंदीदा लोगों को बुलाकर एक व्यक्ति का नाम प्रस्तावित कर दिया और उसे अध्यक्ष चुन लिया। इस फर्जीवाड़े की खबर लगते ही भजियादण्ड के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आवेदकों का कहना है कि गांव में करीब 1500 मतदाता हैं लेकिन 10 से 15 मतदाताओं ने वोट डालकर अध्यक्ष का चुनाव कर लिया गया है। यह पूरी प्रक्रिया लोकतंत्र का मजाक है और नियमानुसार समिति का गठन नहीं किया गया है। बिना कोरम और बिना पारदर्शी सूचना के समिति का गठन करना पूरी तरह अवैध है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि इस चुनाव को तत्काल निरस्त किया जाए और दोबारा निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं। ग्रामीणों ने कहा कि संभागीय प्रबंधक कार्यालय पहुंचे जहां पर एक अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आपकी समस्या का निराकरण किया जायेगा।

मंगेतर के साथ मिलकर रचा अपहरण का प्लान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के लांजी थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां उधार के पैसों की वसूली के लिए युवक ने अपनी ही मंगेतर के साथ मिलकर अपहरण की साजिश रच डाली, लेकिन लांजी पुलिस की तत्परता से पूरे मामले का खुलासा हो गया और अपहृत युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 11 मार्च 2026 की सुबह की है। ग्राम बकरामुण्डी के कटंगनाला के पास चार लोग सफेद रंग की तूफान

गाड़ी में पहुंचे....यहां उन्होंने ग्राम घोटी निवासी केशोप्रसाद धामने को रोककर उसके साथ गाली-गलौच और मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने केशोप्रसाद को जबरन गाड़ी में बैठाया और उसे अपने साथ लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही लांजी थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर अपहृत युवक की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर टीम छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले पहुंची। यहां से अपहृत केशोप्रसाद धामने को सुरक्षित बरामद कर लिया गया और मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी जितेन्द्र कुमार उर्फ जीतू साहू ने अपनी मंगेतर ज्योति बिल्हारे के साथ मिलकर अपहरण की साजिश रची थी।

बिना अनुमति जल स्त्रोतों से सिंचाई व नलकूप खनन पर रोक

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में लगातार गिरते भू-जल स्तर और आगामी ग्रीष्म ॠतु में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मृणाल मीना ने संपूर्ण बालाघाट जिले को 13 मार्च से 31 जुलाई 2026 तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। यह आदेश म.प्र. पेयजल परिक्षण अधिनियम 1986 (संशोधित 2002) के तहत जारी किया गया है। गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों के हैंडपंप और अन्य पेयजल स्त्रोतों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। निजी नलकूपों के अधिक गहराई तक खनन और पानी के अत्यधिक दोहन से शासकीय जल स्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं, जिससे आने वाले समय में पेयजल संकट की स्थिति बन सकती है। जारी आदेश के अनुसार अब कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी सार्वजनिक जल स्त्रोत-जैसे नदी, नाला, बांध, जलाशय, कुएं आदि से सिंचाई या औद्योगिक उपयोग के लिए पानी नहीं लिया जा सकेगा।

खैर की लकड़ी से लदा ट्रक जब्त

रामपायली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वन विभाग को सौंपा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में सक्रिय लकड़ी तस्करों के विरुद्ध पुलिस और वन विभाग ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। रामपायली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देर शाम घेराबंदी कर बेशकीमती खैर की लकड़ी से लदे एक ट्रक को जब्त किया है। सूत्रों की माने तो पकड़ी गई लकड़ी वारासिवनी वन परिक्षेत्र के जंगलों से काटकर महाराष्ट्र ले जाई जा रही थी। फिलहाल, ट्रक को खैरलांजी वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है, जहाँ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बालाघाट जिले की सीमा से लगे महाराष्ट्र के गोंदिया क्षेत्र के लकड़ी तस्करों ने सीमावर्ती गांवों में अपना जाल बिछा रखा है। ये तस्कर रात के अंधेरे में जंगलों से खैर की बेशकीमती लकडियां काटकर तस्करी करते हैं। 11 मार्च की शाम करीब 6 बजे, रामपायली पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध ट्रक खैर की लकड़ियों के साथ महाराष्ट्र की ओर जा रहा है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना परिसर के पास ही ट्रक को रोककर तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में खैर के लट्ठे पाए गए।

बिना वैध दस्तावेजों के दौड़ रहा था वाहन- सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए ट्रक (क्रमांक एमएच 35 के1239) के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह वाहन सिहोरा (महाराष्ट्र) निवासी शुभम रहांगडाले का हैं। रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि इस ट्रक का इंश्योरेंस और फिटनेस भी समाप्त हो चुका है। बिना वैध दस्तावेजों और बिना

रॉयल्टी के इस वाहन का उपयोग तस्करी के लिए किया जा रहा था। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, लकड़ी की यह खेप खुर्सीपार निवासी रतन पटले की बताई जा रही है, जो कटंगझरी के जंगलों से काटी गई थी।

तस्कारों में हड़कंप..-पुलिस ने ट्रक को अपनी अभिरक्षा में लेने के बाद खैरलांजी वन विभाग को सूचना दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी डी.एस. वासनिक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वाहन को अपने सुपुर्द में लिया। इस कार्रवाई के बाद लकड़ी तस्करों के नेटवर्क में हड़कंप मच गया हैं। जंगलों में अवैध कटाई की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। अब वन विभाग इस बात की भी जांच कर रहा है कि इस तस्करी में और कौन-कौन से स्थानीय चेहरे शामिल हैं।

इनका कहना हैं

सूचना मिलते ही हमने रामपायली थाना परिसर पहुंचकर ट्रक को अपनी कस्टडी में ले लिया है। वर्तमान में ट्रक को खैरलांजी वन कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया है। लठ्ठो की गिनती और जब्तीनामा तैयार करने के बाद संबंधित आरोपियों पर वन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डी.एस. वासनिक, वन परिक्षेत्र अधिकारी, खैरलांजी

सरकारी खरीदी में चल रहा बिल का खेल : छोटे सामान में हजारों का अंतर, मंडला के दफ्तरों में भ्रष्टाचार का नया तरीका

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले के कई सरकारी कार्यालयों में सामग्री क्रय को लेकर एक ऐसा खेल चलने की चर्चा सामने आ रही है जिसे लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि कार्यालयों में उपयोग होने वाली छोटी-छोटी सामग्रियों की खरीद में वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक बिल लगाकर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। कंप्यूटर संबंधित सामान, प्रिंटर की रिफिलिंग, स्टेशनरी सामग्री और अन्य कार्यालयीन जरूरतों के नाम पर बाजार मूल्य से हजारों रुपये अधिक का बिल लगाया जा रहा है। स्थानीय बाजार के व्यापारियों और सूत्रों की मानें तो सरकारी कार्यालयों में होने वाली यह खरीद प्रक्रिया कई बार कागजों में कुछ और और वास्तविकता में कुछ और होती है। आमतौर पर जिन सामग्रियों की बाजार में कीमत सैकड़ों या एक-दो हजार रुपये होती है उन्हीं के बिल 4 से 5 हजार रुपये तक बढ़ाकर लगाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। जानकारों के अनुसार ऐसी स्थिति का एक बड़ा कारण खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है। कई विभागों में डिजिटल रिकॉर्ड या ऑनलाइन खरीद प्रणाली पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। यदि सभी खरीद प्रक्रियाएं ई-टेंडरिंग या ऑनलाइन बिलिंग के माध्यम से हों तो बिल बढ़ाने या मनमानी करने की गुंजाइश काफी हद तक कम हो सकती है। सरकारी धन वास्तव में जनता का धन होता है। यह राशि विकास कार्यों, जनकल्याण योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए खर्च की जाती है। ऐसे में यदि सामग्री क्रय जैसे छोटे कामों में भी अनियमितता हो रही है तो यह सीधे-सीधे जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ है। अब देखना यह होगा कि मंडला जिले के सरकारी कार्यालयों में सामग्री खरीद को लेकर उठ रहे इन सवालों पर प्रशासन क्या कदम उठाता है। यदि समय रहते पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई तो यह च्बिल का खेलज् आगे भी सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाता रहेगा।

चल रहा बिल बढ़ाने का खेल

बताया जा रहा है कि कई कार्यालयों में अधिकारी या संबंधित कर्मचारी सामग्री खरीद के लिए सीधे किसी व्यापारी से संपर्क करते हैं। व्यापारी को यह कहा जाता है कि सामान का बिल वास्तविक कीमत से अधिक बनाना होगा। बिल में बढ़ाई गई राशि का हिस्सा कथित तौर पर बाद में आपस में बांट लिया जाता है।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी कंप्यूटर के छोटे पार्ट की कीमत बाजार में 800 से 1000 रुपये है तो उसका बिल 3500 से 5000 रुपये तक बना दिया जाता है। इसी तरह प्रिंटर की रिफिलिंग, कार्ट्रिज बदलने, की-बोर्ड, माउस, केबल, हार्डवेयर रिपेयरिंग जैसे कार्यों में भी बिल की राशि कई गुना तक बढ़ा दी जाती है। सूत्रों का कहना है कि यह तरीका इसलिए भी आसान हो जाता है क्योंकि अधिकांश कार्यालयों में इस तरह की छोटी खरीद के लिए बड़े स्तर की निविदा प्रक्रिया नहीं अपनाई जाती। ऐसे में खरीद की पूरी प्रक्रिया कुछ लोगों तक ही सीमित रह जाती है और पारदर्शिता की कमी बनी रहती है।

स्टेशनरी खरीदी में भी बड़ा अंतर

केवल तकनीकी सामान ही नहीं बल्कि स्टेशनरी सामग्री में भी इसी तरह की अनियमितता की चर्चा है। कागज की रिम, फाइल, पेन, रजिस्टर, स्टेपलर, क्लिप, मार्कर, टोनर पाउडर, प्रिंटर इंक जैसी सामग्री में भी बाजार दर और बिल की राशि में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। कई बार बाजार में 300 से 400 रुपये में मिलने वाली सामग्री का बिल 1200 से 1500 रुपये तक बना दिया जाता है। छोटी-छोटी सामग्रियों के ऐसे कई बिल मिलकर हजारों रुपये का अंतर पैदा कर देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब इस तरह की खरीद बार-बार होती है तो साल भर में यह राशि लाखों रुपये तक पहुंच सकती है।

व्यापारियों पर बनाते हैं दबाव

नाम न छापने की शर्त पर कुछ व्यापारियों ने बताया कि सरकारी कार्यालयों से काम मिलने के लिए कई बार उन्हें मजबूरी में बढ़े हुए बिल बनाने पड़ते हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि वे वास्तविक राशि का बिल बनाने की बात करें तो उन्हें आगे काम नहीं दिए जाने की चेतावनी भी मिलती है। एक व्यापारी ने बताया कि कई बार अधिकारी या कर्मचारी पहले ही स्पष्ट कर देते हैं कि बिल कितना बनाना है। व्यापारी केवल कागज पर वही राशि लिख देता है। व्यापारियों का कहना है कि यह स्थिति उनके लिए भी असहज होती है क्योंकि यदि कभी जांच हो जाए तो सबसे पहले सवाल उसी व्यापारी पर उठता है जिसने बिल जारी किया होता है।

कागजों में सब कुछ नियमित

सरकारी व्यवस्था में सामग्री क्रय के लिए स्पष्ट नियम और प्रक्रियाएं तय हैं। कई विभागों में तीन कोटेशन लेने, निविदा प्रक्रिया अपनाने और बिल-बाउचर का रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था होती है। लेकिन आरोप है कि कई जगह इन नियमों को केवल औपचारिकता तक ही सीमित कर दिया जाता है। कागजों में तीन अलग-अलग व्यापारियों के कोटेशन दिखा दिए जाते हैं जबकि वास्तविक खरीद एक ही व्यापारी से की जाती है। कई बार कोटेशन भी पहले से तय कर लिए जाते हैं ताकि बिल की राशि पर कोई सवाल न उठे।

छोटी खरीद बड़ा नुकसान

सरकारी कार्यालयों में होने वाली यह छोटी-छोटी खरीद पहली नजर में मामूली लग सकती है लेकिन जब पूरे जिले के दर्जनों कार्यालयों में इस तरह की प्रक्रिया चलती है तो यह सरकारी खजाने के लिए बड़ा नुकसान बन जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्रत्येक कार्यालय में हर महीने कुछ हजार रुपये का अतिरिक्त बिल लगाया जा रहा है तो साल भर में यह राशि लाखों में पहुंच सकती है। यह पैसा सीधे-सीधे जनता के टैक्स से आता है इसलिए इसका दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है।

जांच की उठने लगी मांग

जिले के कई जागरूक नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में होने वाली सामग्री खरीद की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। यदि पिछले कुछ वर्षों के बिल और बाजार दरों की तुलना की जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। लोगों का कहना है कि यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी पर रोक लग सके।

प्रशासन की भूमिका पर नजर

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रशासन इन आरोपों को गंभीरता से लेकर जांच कराएगा या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। जिले में पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की बात अक्सर कही जाती है, लेकिन यदि सरकारी धन के उपयोग में ही सवाल उठने लगें तो यह व्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है।

उप स्वास्थ्य केन्द्र बना एनक्यूएएस सर्टिफाइड

मण्डला/मोहगांव। जिले के तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को भारत सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक एनक्यूएएस प्रमाणन प्रदान किया गया है जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव के अंतर्गत आने बाली उप स्वास्थ्य केंद्र आरोग्यम मंदिर खाल्हेगिठौरी भी शामिल है यह प्रमाणन उन स्वास्थ्य केंद्रों को मिलता है जो सेवाओं की गुणवत्ता बुनियादी ढांचा मरीज की सुरक्षा संक्रमण नियंत्रण और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं जैंसे गतिविधियों के मानकों पर खरे उतरते हैं यह सर्टिफिकेट तीन साल के लिए मान्य होता है मिशन डायरेक्टर एनएचएम जिला कलेक्टर और सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती के संयुक्त और निरंतर प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार देखे जा रहे हैं इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन के लिए सुलभ सस्ती और जवाबदेह बनाना है 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्तर पर ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव एवं डॉ. आदित्य अग्निहोत्री द्वारा क्वॉलिटी असेसमेंट किया गया जिसमें जिले की विकास खंड मोहगांव के अंतर्गत आने बाली ग्राम खाल्हेगिठौरी उप स्वास्थ्य केन्द्र आरोग्यम मंदिर को इस प्रमाणन के लिए पात्र पाया गया विकास खंड मोहगांव की ग्रामीण क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केन्द्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर खाल्हे गिठौरी में सेवारत सीएचओ पवन जोनवार ने बताया कि जिला से शरद मसराम जिला क्वॉलिटी अधिकारी सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव के डॉ. कमलेश मोहन झिकराम, डॉ अमित भलावी व डॉ, प्रसून झा के कुशल मार्गदर्शन और सुपरवाइजर रासेश्वरी. ए एन एम रजनी यादव. आशा कार्यकर्ता रजनी यादव, ललित झारिया, बसंती झारिया, स्टाफ के पंकज संध्या तेकाम के साथ-साथ ग्राम खाल्हे गिठौरी कि सरपंच श्रीमती गंगा मरावी एवं उप सरपंच राजा अहमद निक्कू मलिक व ग्राम के वरिष्ठ जनों का विशेष सहयोग मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है।

प्रमुख सचिव ने ली बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल ने बुधवार को वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभागीय डाटा अब पूरी तरह से डिजिटल हो रहा है ऐसे में पटवारी सहित मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पटवारी ई-बस्ता के तहत पटवारियों को लैपटॉप उपलब्ध कराए गए हैं उनमें मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट सिस्टम इंस्टॉल कराया जाना है। इस सिस्टम से पटवारी लैपटॉप पर आसानी से अपना विभागीय कार्य कर सकेंगे।

एसपी ने ग्रामीणों से किया संवाद

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

पुलिस द्वारा चौकी सलवाह क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के नेतृत्व में पुलिस चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा ग्रामीणजनों से संवाद कर कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा से जुडे विषयों पर चर्चा की गई। पुलिस चौपाल के दौरान ग्रामीणों को हेलमेट जागरूकता यातायात नियमों का पालन नशे से दूरी है। जरूरी ड्रग्स जागरूकता साइबर सुरक्षा तथा महिला सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही डायल 112 साइबर हेल्पलाइन 1930 महिला हेल्पलाइन 1090 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी साझा करते हुए किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम उपरांत एसपी श्री सकलेचा द्वारा थाना घुघरी एवं चौकी सलवाह का निरीक्षण भी किया गया। जिसमें थाना परिसरए अभिलेखों मालखाना तथा पुलिस व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, घुघरी थाना प्रभारी पूजा बघेल, चौकी प्रभारी सलवाह निलेश पटेल स्थानीय जनप्रतिनिधि पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चिकित्सा शिविर आयोजित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय आयुष मिशन योजनान्तर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय संबंधित क्रियाकलाप के तहत संचालनालय आयुष म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार जवाहर वार्ड में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन 11 मार्च को प्रात: 10 से 2 बजे तक किया गया। जिसमें कुल 64 रोगियों 51 महिला एवं 13 पुरुषों ने लाभ प्राप्त किया। शिविर में आए सभी रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा जाँच व परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया।

खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर खेल सुविधाएं

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम कौरगांव में स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके लिए लगभग 4.74 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है तथा परियोजना के लिए लगभग 6.69 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत हो चुकी है। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर तहसील मंडला के ग्राम कौरगांव स्थित पटवारी हल्का क्रमांक 89 राजस्व निरीक्षक मंडल महाराजपुर के अंतर्गत आने वाले खसरा नंबर 507, 409 एवं 508/2 की भूमि स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर निर्माण के लिए चिन्हित की गई थी। प्रकरण की जांच उपखंडीय अधिकारी मंडला के माध्यम से कराई गई जिसके बाद भूमि आवंटन की अनुशंसा की गई। मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्देश

2020 के प्रावधानों के अनुसार यह प्रस्ताव जिला नजूल निपटान समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति की बैठक 9 मार्च को आयोजित हुई जिसमें विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से लगभग 4.74 हेक्टेयर भूमि खेल एवं युवा कल्याण विभाग को स्पोर्टस और फिटनेस एजुकेशन संनिर्माण के लिए आवंटित करने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव के अनुसार ग्राम कौरगांव में खसरा नंबर 507 की 1.64 हेक्टेयर, खसरा नंबर 409 में से 1.50 हेक्टेयर तथा खसरा नंबर 508/2 में से 1.60 हेक्टेयर भूमि स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण के लिए हस्तांतरित की जायेगी। इसके लिए शासन से लगभग 6.69 करोड़ रुपये की राशि भी प्राप्त हो चुकी है। विदित है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के सतत प्रयासों से खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री डॉ. विश्वास सारंग द्वारा मंडला में स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि आवंटित किए जाने की बात कही गई थी। इस संबंध में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में इस बात का जिक्र मंत्री श्रीमती उइके द्वारा अपने उदबोधन में किया गया था। स्पोर्टस एवं फिटनेस एजुकेशन सेंटर के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों और युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे मंडला जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आदर्श चौरसिया महिला मंच ने किया कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

आदर्श चौरसिया महिला मंच मंडला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन सांई कृपा भवन में किया गया। श्रीमती कल्याणी सारंगपाणी के मुख्य आतिथ्य, सामाजिक कार्यकर्ता शिखा श्रीवास्तव के आतिथ्य तथा ममता चौरसिया अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत चौरासी महाराज के पूजन से हुई। चौरसिया समाज में विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत शासकीय तथा अशासकीय 21 महिलाओं का सम्मान उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात आदर्श चौरसिया महिला मंच मंडला की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। तत्कालीन अध्यक्ष अनुपमा चौरसिया ने अपने 2 वर्षों में समाज हित में किए गए कार्यों का विवरण तथा नई अध्यक्ष रिंकू रमन चौरसिया का

क्राउन पहना कर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया द्वारा आगामी कार्यों की रूपरेखा की जानकारी नवीनतम अध्यक्ष को दी गई। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मोनिका चौरसिया, सचिव वर्षा चौरसिया, कोषाध्यक्ष राखी चौरसिया सहसचिव ज्योत्सना चौरसिया ने पद ग्रहण किया। योगिता चौरसिया, आरती चौरसिया,भारती चौरसिया, राखी चौरसिया, निखिता चौरसिया,रंजीता चौरसिया,वर्षा चौरसिया, शशिकिरण चौरसिया, रश्मि चौरसिया,शिवानी चौरसिया, ज्योत्सना चौरसिया, मोनिका चौरसिया, मीना चौरसिया, जागृति चौरसिया, श्वेता चौरसिया, आयुषी चौरसिया, मेखला चौरसिया, सुनीला चौरसिया, सोमी चौरसिया, आकांक्षा चौरसिया, सोनाली चौरसिया, पूजा चौरसिया का सम्मान आदर्श चौरसिया महिला मंच द्वारा किया गया।

बम्हनी से आशा चौरसिया, रीना चौरसिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रेनू मोदी, राजश्री चौरसिया, मीना चौरसिया, भावना चौरसिया, अर्पिता चौरसिया, पूजा चौरसिया किरण मोदी, तरुणा चौरसिया ,संगीता चौरसिया, सीमा मरावी,सरोज सोनी,मेघा चौरसिया बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थिति रही। संजू चौरसिया, अंजना चौरसिया ने मंच संचालन किया। आभार अंजना चौरसिया ने व्यक्त किया।

श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली लागू

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन श्रमायुक्त इंदौर के निर्देशानुसार जिले के औद्योगिक और व्यावसायिक परिदृश्य में सुधार लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली की शुरुआत की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब जिले के कारखाने, दुकानें और अन्य संस्थान अपनी कार्यप्रणाली और श्रमिक कल्याण के आधार पर रेटिंग प्राप्त कर सकेंगे। श्रम विभाग के अनुसार जिले में स्थित सभी संस्थान आधिकारिक पोर्टल पर स्टार रेटिंग के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में संस्थानों को कुल 10 निर्धारित मापदंडों के आधार पर अपने अनुपालन की स्थिति का स्व-आंकलन करना होगा।

क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यशाला

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा खड़देवरा में एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में नवांकुर संस्था आदिवासी बैगा विकास समिति के नेतृत्व में पदमी सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों और नवांकुर सखियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल रसोई संस्थान की संचालिका श्रीमती पुष्पा ज्योतिषि ने शासन की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी ने नवांकुर योजना के बारे में बताया जो ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करती है। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्रीमती रागिनी हरदहा द्वारा किया गया और अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया सहित संबंधित उपस्थित रहे।

डिठोरी से बालाघाट जा रहा वाहन पलटा, महिला घायल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। कृषि कार्य में लगे विधुत पम्प को चोरी करने वाले गिरोह अब सक्रिय हो गये है । बीती रात ग्राम पंचायत गौराछापर के ग्राम माखा की नहर पर लगे विधुत पम्प को चोरी करने की नियत से कुछ अज्ञात युवकों ने पम्प चोरी करने का प्रयास किया ग्राम के लोगों ने देख लिया तो अपने चार चक्का वाहन से भाग खड़े हुए। अपने आप को बचाने के चक्कर में डिठोरी से बालाघाट लोट रही बारात के एक चार चक्का वाहन को ठोकर मार भाग खड़े हुए जिससे बारातियों का उक्त वाहन झाड़ियों में जाकर पलट गया। वाहन में सवार बारातियों को ग्राम वासियों ने बाहर निकाला । इस घटना में मात्र एक महिला का हाथ फेक्चर होना बताया गया। वाहन को सुबह टेक्टर की मदद से झाड़ियों से निकाला गया।

विद्युत पम्प चोरों के वाहन से टकराया बारातियों का वाहन

पठार क्षेत्र संयुक्त किसान मोर्चा ने डिठौरी में किया प्रदर्शन

किसानों के प्रदर्शन और आक्रोश के बीच पहुंची मंत्री सम्पतिया

नर्मदा माइक्रो प्लान से हवेली और पठार अंचल के 101 गांव को पानी देने की योजना

मंत्री के आश्वासन पर किसानों का प्रदर्शन स्थगित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर के पठार अंचल के लगभग 50 गांव के रहवासी अपने सूखे खेतो में सिंचाई सुविधा की मांग अरसे से कर रहे है। उनकी मांग है कि थांवर जलाशय के पानी पर अधिकार पहले पठार और उससे जुड़े ग्रामीण क्षेत्रो के रहवासियों का है। उनका आरोप है कि हमारे अधिकारों का हनन कर थांवर का पानी सिंचाई हेतु अन्य क्षेत्रों को दिया जाता है। जबकि थांवर जलाशय अंचल के नजदीक है, मगर उसका पानी इस क्षेत्र के लोगो को नही मिल पाता है।

अपनी इसी मांग को लेकर कल डिठौरी ग्राम में आसपास के अंचल से जुड़े सैकड़ो किसान प्रदर्शन के लिए पुन: एकत्र हुए थे। जहां किसान इस मामले में निर्णायक लड़ाई और आंदोलन की बात कह रहे थे। क्षेत्र में किसानों के आक्रोश को भांपकर प्रदेश सरकार में मंत्री और मंडला विधायक श्रीमती सम्पतिया उइके उनके बीच पहुंची। जहां उन्होंने शासन स्तर से किसानों के हित में किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी रखी। उन्होंने किसानों को बताया कि पठार अंचल और उससे जुड़े ग्रामीण किसानों के खेतों की पर्याप्त सिंचाई सुविधा की एक बड़ी कार्ययोजना पर कार्य प्रगति पर है। जिसके तहत नर्मदा माइक्रो प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मंडला नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण से जल संसाधन विभाग मंडला को पानी दिलाये जा ने की कार्ययोजना

बनाई जा रही है। जिसमे नर्मदा के नजदीकी तट मानादेही से लगभग 101 ग्रामो को पानी दिया जा सकता है। जिससे हवेली और डिठौरी पठार अंचल के किसानों की पानी की समस्या को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाएगा। मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री धनञ्जय कुशराम और विभाग के ही दो एस डी ओ को लेकर मंच से ही आंदोलनरत किसानों को यह माइक्रो प्लान समझाया। मंत्री का कहना था कि किसान बिल्कुल भृमित न हों इस कार्य योजना के जमीन में उतरते ही किसानों को पानी जरूर मिलेगा।

जबकि जल संसाधन विभाग का इस बाबद मत है कि इस नीति को अमलीजामा पहनाने के साथ ही अगले दो साल के अंदर लगभग 101 गांवों पानी की सुविधा मिलेगी। इससे हवेली क्षेत्र के ठरका टिकरवारणके साथ इंद्री टाटरी और पठार अंचल को पानी मिलनर लगेगा। बताया गया कि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण से जल संसाधन विभाग मंडला को 80 मिलियन घन मीटर जल आबंटन की सुविधा मिलेगी। जिससे किसानों की इस समस्या पर विराम लगाया जा सकता है।

मंत्री के आस्वासन पर किसानों ने प्रदर्शन किया स्थगित - मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर किसानों की पानी की समस्या को स्वयं संज्ञान में लेकर इसे हल करने का आस्वासन दिया है। आंदोलनरत किसानों के मंच पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में उन्होंने दृढ़ता से इस बाबद अपनी बात और शासन की मंशा को बड़ी बेबाकी से रखा। जिस ओर किसानों ने अपना आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया। किसानों का कहना था कि अगलर दो माहों में इस कार्ययोजना की जमीनी हकीकत की समीक्षा किसानो के द्वारा की जाएगी ।

संपादकीय

ईंधन का संकट

राजधानी दिल्ली, उप्र, बिहार, मप्र राज्यों के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ दिखाई देने लगी है। लोग पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है, घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौन सा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है। इस तरह देश में 23 करोड़ उपभोक्ता इस महंगाई के शिकार होंगे। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैस के भंडारण पर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कतर एलएनजी की 'महाशक्ति' है। वह 40 फीसदी से अधिक एलएनजी भारत को सप्लाई करता रहा है, लेकिन ईरान के लगातार हमलों के बाद कतर ने तेल-गैस का उत्पादन ही बंद कर दिया है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर तक उछल सकती हैं। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल तक तो पहुंच चुके हैं। भारत करीब 85 फीसदी एलपीजी मध्य-पूर्व के देशों से ही आयात करता है और वह सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ही होती रही है। ईरान के लड़ाकों ने यह मार्ग बंद कर रखा है, जाहिर है कि हमारा 50 फीसदी तेल-गैस बाधित है। एक बयान आया है कि देश में 25 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार है, गैस भी पर्याप्त है, कुल मिला कर 7-8 सप्ताह का भंडार है, लेकिन विशेषज्ञों के भी बयान आ रहे हैं कि भारत में कुल 10 करोड़ बैरल ही कच्चा तेल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बयान दे रहे हैं कि तेल और गैस का संकट बढ़ रहा है। कीमतें बढने् लगी हैं और सरकार ने देश की संप्रभुता और विदेश नीति अमरीका को बंधक रख दी है। अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान दिया था कि ईरान युद्ध के मद्देनजर अमरीका भारत को रूसी तेल खरीदने की, 30 दिन की, 'अस्थायी छूट' देता है। हालांकि, अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'बड़बोले' बयानों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदता रहा है और अब गैस का आयात भी बढ़ाएगा। जनवरी, 2026 में भारत ने रूस से 1.98 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात किया था। रूस आगामी 30 दिनों में करीब 95 लाख बैरल तेल भारत को भेज सकता है। यह भी वैश्विक संकट का दौर है, जैसा कि कोरोना महामारी के दौरान था। तब भी देश ने सरकार पर भरोसा किया था और अब भी कोई चारा नहीं है। सियासत तो शांतिकाल में भी जारी रह सकती है।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र 'थ्री गॉर्जेस डैम' से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

इसे भी पढ़ें- ष्टद्धद्बठ्ठड्ड के हाथ लगी अमेरिका की सबसे बड़ी कमजोरी, असली खेल अब शुरू!

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यत: मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना रन-ऑफ-द-रिवर तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है। स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की जल भू-राजनीति का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।

यूसीसी लागू करने का सही समय

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

समान नागरिक संहिता का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। देश में वर्ष 1961 में गोवा सरकार ने सबसे पहले समान नागरिक संहिता कानून लागू किया था। एक देश में दो विधान क्यों चले इस पर राष्ट्रव्यापी बहस कई बार छिड़ चुकी है। भारत में इसे लागू करने की जरूरत 1985 की एक याचिका श्रीमती जॉर्डन डेगे बनाम एस.एस. चोपड़ा मामले में महसूस हुई थी। श्रीमती जॉर्डन ईसाई थीं जबकि एस.एस.चोपड़ा सिख थे। इनके तलाक की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने समान नागरिक संहिता लागू करने की पहली बार जरूरत जाहिर की थी। इसके बाद ऐसी कई याचिकाएं अदालतों में आई, बहुत चर्चित हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर कहा है कि अब समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने वाली याचिका पर यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि यह बहुत अच्छा मामला है। सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए एक समान कानून की जरूरत महसूस की जा सकती है लेकिन इस पर केवल सरकार को ही विचार करना चाहिए। याचिका में मुस्लिम महिलाओं को विरासत और उत्तराधिकार में बराबर अधिकार दिलाने के लिए मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि फिलहाल मुस्लिम महिलाओं को अपने माता-पिता की सम्पत्ति में बहुत कम हिस्सा मिलता है जिसे बदलने की जरूरत है।

पीठ ने यह भी चेताया कि अगर 1937 का शरिया कानून पूरी तरह से हटा दिया जाता है तोइससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। अदालतें कानून नहीं बना सकतीं। इसलिए बेहतर होगा कि इस तरह के व्यापक कानून से जुड़े फैसले सरकार पर छोड़ देने चाहिए। समान नागरिक संहिता का विचार नया नहीं है। संविधान बनाने वालों ने इसकी कल्पना की थी और इसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 44 में शामिल किया गया है। अनुच्छेद 44 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह भारत के सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की कोशिश करे।

हालांकि अनुच्छेद 44 राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में आता है, इसलिए इसे अदालतें सीधे लागू नहीं कर सकतीं। फिर भी यह इस संवैधानिक सोच को दर्शाता है कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण जैसे मामलों से जुड़े नागरिक कानूनों को अंतत: धार्मिक आधार पर अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के बजाय एक सामान्य कानूनी ढांचे के तहत लाया जाना चाहिए। यद्यपि उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन चुका है, जहां पिछले वर्ष समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। इसके बाद मध्य प्रदेश, गुजरात और अन्य भाजपा शासित राज्यों ने समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाए हैं।

सवाल है कि इस संबंध में केन्द्रीय स्तर पर कानून बनाने का। समान नागरिक संहिता में देशके प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होता है चाहे वह किसी धर्म या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता का अर्थ धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर पूरे देश में एक समान कानून लागू करने से है। समान नागरिक संहिता में शादी, तलाक, जमीन-जायदाद के बंटवारे और उत्तराधिकार गोद लेने जैसे सामाजिक मुद्दे सभी एक कानून के अन्तर्गत आ जाते हैं। किसी धर्म के आधार पर कोई अलग कोर्ट या अलग व्यवस्था नहीं होती लेकिन भारत में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां सभी धर्मों के लिए अलग-अलग नियम हैं। सम्पत्ति, विवाह, तलाक के नियम हिन्दुओं, मुस्लिमों, ईसाइयों के लिए अलग-अलग हैं।

यह सवाल बार-बार उठा है कि जब आपराधिक मामलों में सभी समुदायों के लिए एक कानून का पालन होता है तब सिविल मामलों में सभी के लिए अलग-अलग कानून क्यों है कानूनों में बदलाव होते रहे हैं। अगर हिन्दू बिल नहीं लाया जाता तो न दहेज विरोधी कानून पास हो पाता और न ही सती प्रथा जैसी कुरीति का अंत हो पाता। जब भी इस मुद्दे पर आगे बढ़ा जाता है तो मुस्लिम संस्थाएं इसके विरोध में उतर आती हैं, जमकर राजनीति होती है और कहा जाता है कि यह कानून संविदान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन करता है। जिसमें कहा गया है कि संविधान ने देश के सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है।

परिवार और उत्तराधिकार के विषय संविधान की समवर्ती सूची में आते हैं। इसलिए राज्य सरकारों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे अपने राज्य के नागरिकों के लिए एक समान कानून बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां एक बार फिर यह याद दिलाती हैं कि संवैधानिक वादे को वास्तविकता में बदलने का समय आ चुका है। समानता के सिद्धांत पर चलने वाले लोकतंत्र में ऐसी व्यवस्थाओं को नहीं बनाए रखा जा सकता जो धार्मिक पहचान के आधार पर मुस्लिम महिलाओं से गैर बराबरी का व्यवहार करता हो। समान नागरिक संहिता की दिशा में लगातार संवाद के साथ कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि ऐसा कानूनी ढांचा तैयार हो सके जिस पर व्यापक सहमति हो।

समान नागरिक संहिता महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगी। साथ ही इसकी एकरूपता से देश में राष्ट्रवादी भावना को बल मिलेगा। इससे कई विवाद अपने आप हल हो जाएंगे और इसके लागू होने से नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता, इबादत, खान-पान और धार्मिक परम्पराओं पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

थके हुए मन को थोड़ा विश्राम दें: तनाव नहीं, मुस्कान से भरे जीवन

ओरिसन स्वेट मार्डेन

मनुष्य का जीवन अनमोल है, फिर भी अक्सर लोग इसे अनावश्यक चिंता, तनाव और गंभीरता से भर देते हैं। बहुत-से लोग हर समय किसी न किसी चिंता में डूबे ही रहते हैं। उनके चेहरे पर थकान, मन में भय और हृदय में असंतोष दिखाई देता है, मानो जीवन केवल संघर्ष और बोझ का नाम हो। सच्चाई यह है कि जीवन केवल कर्तव्यों व समस्याओं का नहीं, बल्कि आनंद, आशा और संतुलन का भी नाम है।

आज के समय में अधिकांश लोग अपने काम, जिम्मेदारियों और भविष्य की चिंता में इतने उलझ जाते हैं कि वे वर्तमान की खुशी को महसूस ही नहीं कर पाते। हर छोटी बात को गंभीरता से लेना, हर परिणाम को जीवन-मरण का प्रश्न बना देना और हर समय व्यस्त रहने की आदत मनुष्य को भीतर से थका देती है। जब मन लगातार तनाव में रहता है, तो धीरे-धीरे जीवन की खुशियां भी दिखाई देना बंद हो जाती हैं। वास्तव में जीवन को सहजता से जीना ही सच्ची बुद्धिमानी है। इसका अर्थ यह नहीं कि मनुष्य अपने कर्तव्यों से दूर भागे या प्रयास करना छोड़ दे, बल्कि यह है कि वह अपने प्रयासों के साथ संतुलन भी बनाए रखे। यदि मनुष्य हर परिस्थिति में थोड़ा धैर्य व हास्य तथा थोड़ी सकारात्मकता बनाए रखे, तो जीवन कहीं अधिक सरल और सुखद बन सकता है। तनाव से मुक्ति का एक सरल उपाय यह है कि मनुष्य अपने जीवन में आनंद के छोटे-छोटे क्षणों को महत्व दे। प्रकृति की सुंदरता को देखना, परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, संगीत सुनना या किसी अच्छे विचार को पढ़ना मन को हल्का कर देता है। जब मन हल्का होता है, तो समस्याएं बोझिल नहीं लगतीं। खुशी केवल बड़ी उपलब्धियों में ही नहीं होती। वह छोटी-छोटी बातों में भी छिपी होती है। कभी किसी की सहायता करना, किसी को मुस्कान देना, या किसी थके हुए व्यक्ति को उत्साह देना भी जीवन को अर्थपूर्ण बना देता है। जब मनुष्य दूसरों के जीवन में आशा और उत्साह का कारण बनता है, तब उसका अपना जीवन भी अधिक उज्ज्वल हो जाता है। एला व्हीलर विलकॉक्स ने कहा था कि संसार पहले ही बहुत दुखी है, इसलिए अपने दुखों से इसे और भारी मत बनाओ। जीवन के रास्ते पूरी तरह कठिन नहीं होते। उनमें कहीं न कहीं सरल और उजले स्थान भी होते हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह उन्हीं उजले पक्षों को देखे और दूसरों को भी उनके बारे में बताए, ताकि थके हुए मन को कुछ विश्राम मिल सके।

जीवन का उद्देश्य केवल चिंता करना नहीं है, बल्कि आशा के साथ आगे बढ़ना है। जब मनुष्य अपने विचारों को सकारात्मक बनाता है, तब उसका मन शांत होता है और तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि हम जीवन को बोझ न समझें, बल्कि उसे एक अवसर की तरह स्वीकार करें और हर दिन थोड़ी खुशी, थोड़ी आशा और थोड़ा प्रकाश खोजने का प्रयास करें। - द जॉय ऑफ लिविंग के अनूदित अंश

शांति का प्रकाश फैलाएं- मनुष्य का जीवन केवल चिंता और तनाव के लिए नहीं है, बल्कि आनंद और आशा के लिए भी है। यदि हम हर परिस्थिति में सकारात्मकता बनाए रखें और छोटी-छोटी खुशियों को महत्व दें, तो जीवन सरल और सुखद बन सकता है। हमें अपने व्यवहार और शब्दों से दूसरों के जीवन में आशा, उत्साह और शांति का प्रकाश फैलाना चाहिए।

यूरोप का हुआ बुरा हाल, रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है।

जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है।

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है।

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है।

ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है।

यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे।

हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं।

फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है।

इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।

क्या 200 डॉलर प्रति बैरल पार हो जाएगी कच्चे तेल की कीमत..? ईरान के बयान से दुनियाभर में टेंशन

नई दिल्ली

ईरान ने दुनिया को चेतावनी दी है कि तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। बीते दिनों यानी बुधवार को ईरानी फौज ने खाड़ी में मर्चेंट जहाजों पर हमला किया। ईरान के सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाकारी ने कहा, क्षेत्रीय सुरक्षा को आपने अस्थिर किया है, इसलिए 200 डॉलर प्रति बैरल तेल के लिए तैयार रहें।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बंदरगाहों को निशाना बनाया गया तो क्षेत्र के आर्थिक और व्यापारिक केंद्र भी हमारे टारगेट होंगे। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों से शुरू हुए इस युद्ध को लगभग दो हफ्ते हो चुके हैं। अब तक करीब 2,000 लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें ज्यादातर ईरानी और लेबनानी हैं। युद्ध अब लेबनान तक फैल चुका है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और परिवहन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गए हैं।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने इसे युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे तीव्र हवाई हमलों की कार्रवाई बताया है। इसके बावजूद ईरान ने इजरायल और पूरे मध्य पूर्व में लक्ष्यों पर हमले किए, जिससे साबित हुआ कि वह अभी भी जवाबी कार्रवाई करने की स्थिति में है।

ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उसने खाड़ी में उन जहाजों पर गोलीबारी की है। ये वो जहाज हैं जो उनका कहना नहीं मान रहे हैं। उनके आदेशों का पालन नहीं कर रहे थे। बुधवार को तीन जहाजों पर हमले की खबर आई।

एक थाई झंडे वाला बल्क कैरियर आग की लपटों में घिर गया, क्रू को निकाला गया लेकिन तीन लोग लापता हैं, जिन्हें इंजन रूम में फंसा माना जा रहा है। एक जापानी कंटेनर जहाज और मार्शल आइलैंड्स का बल्क कैरियर भी प्रोजेक्टाइल से क्षतिग्रस्त हुआ। युद्ध शुरू होने से अब तक 14 मर्चेंट जहाजों पर हमले हो चुके हैं।

ईरान का दुबई में फिर ड्रोन अटैक, पोर्ट के पास ब्रिटिश सेना का जहाज भी नेस्तनाबूद

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में ड्रोन अटैक हुआ है। दुबई के अधिकारियों ने गुरुवार को इस हमले की जानकारी दी है। एएफपी के एक संवाददाता ने शहर के डाउनटाउन इलाके में धमाकों की आवाज सुनी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के हमलों के बीच खाड़ी देश भी पिस रहे हैं। यूएई समेत बाकी खाड़ी देशों में भी हमले हो रहे हैं। दुबई सरकार के मीडिया कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया, दुबई के अधिकारी अल वदाअ इलाके में हुई ड्रोन घटना पर कार्रवाई कर रहे हैं।पोस्ट में आगे बताया, इसमें किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है एएफपी के संवाददाता ने भी अल वदाअ के रिहायशी इलाके के ऊपर धुआं निकलते देखा। अमेरिका-इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर किए हमले से मिडिल ईस्ट में युद्ध शुरू हो गया। इस युद्ध के चलते खाड़ी क्षेत्र के देशों को ईरान के हमलों का सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, दुबई में हुए हमले से पहले आज गुरुवार को ही फारसी खाड़ी में दुबई के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर किसी चीज से हमला हुआ, जिससे जहाज में आग लग गई।

जापान में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 2025 में गंवाए 6.5 करोड़ डॉलर, कंपनियों पर हमलों में चार गुना बढ़ोतरी

टोक्यो, (वार्ता/शिन्हुआ)

जापान में साइबर अपराधियों ने वर्ष 2025 में ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के जरिए लगभग 10.4 अरब येन (करीब 6.54 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का रिकॉर्ड नुकसान को अंजाम दिया है।

नेशनल पुलिस एजेंसी द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कुल नुकसान में से 55 प्रतिशत व्यक्तिगत खातों से था, जबकि 45 प्रतिशत हिस्सा कंपनियों का था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कंपनियों को होने वाला नुकसान पिछले वर्ष की तुलना में चार गुना से अधिक बढ़कर 4.7 अरब येन तक पहुँच गया है।

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 90 प्रतिशत मामलों में %फिशिंग स्कैम% का इस्तेमाल किया गया। इसमें पीड़ितों को झांसा देकर उनकी गोपनीय जानकारी चुराई गई। पिछले साल की तुलना में 7.3 लाख की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 24.5 लाख मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट की गई नकली वेबसाइटों की संख्या 3 लाख बढ़कर 10 लाख के पार पहुँच गई है। डेटा के अनुसार,फिरौती के मामलों या रैंसमवेयर हमलों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसी घटनाओं में हमलावर डेटा ब्लॉक कर फिरौती मांगते हैं।

वर्ष 2025 में कुल 226 मामले सामने आए, जिनमें से 60 प्रतिशत शिकार लघु और मध्यम स्तर की कंपनियां बनीं। आधे से अधिक प्रभावित कंपनियों ने बताया कि डेटा रिकवरी में उन्हें एक करोड़ येन से अधिक का खर्च उठाना पड़ा, जबकि 5 मामलों में यह खर्च 10 करोड़ येन के भी पार निकल गया।

जापान की पुलिस एजेंसी ने इस बढ़ते खतरे को देखते हुए नागरिकों और व्यापारिक संस्थानों को अपनी साइबर सुरक्षा और डिजिटल लेनदेन के प्रति अधिक सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात के बाद बोले अखिलेश-समाज मे नकली संतों का अंत होगा

लखनऊ, (वार्ता)

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के कृष्णानगर क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और कहा कि शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलने से समाज में फैले नकली संतों का अंत होगा। यादव दोपहर करीब 12=30 बजे अपने आवास से कृष्णानगर स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद लेने आए थे। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरुआत से पहले शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलना सौभाग्य की बात होती है। उन्होंने गोरक्षा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि समाजवादी सरकार के समय गायों की सेवा और संरक्षण के लिए कई फैसले लिए गए थे और भविष्य में भी गायों की सेवा के लिए जो संभव होगा, वह किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद संतों को हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं। गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बुधवार को लखनऊ से गोरक्षा जनजागरण अभियान की शुरुआत की है। इससे पहले वह 8 मार्च को वाराणसी से यात्रा शुरू कर विभिन्न जिलों का दौरा करते हुए 11 मार्च को लखनऊ पहुंचे थे।

थाईलैंड नौसेना ने तीन लापता क्रू मेंबर्स को बचाने के लिए ओमान से मदद मांगी

बैंकॉक, (वार्ता/शिन्हुआ)। थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज में चालक दल के तीन लापता सदस्यों के फंसे होने की आशंका है। इस बीच थाईलैंड नौसेना प्रमुख ने तलाशी अभियान में फौरन मदद के लिए ओमान के अपने समकक्ष से सीधा संवाद कायम किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में यात्रा के दौरान थाईलैंड के ध्वज वाले इस जहाज पर बुधवार को हमला हुआ था। इसमें चालक दल के कुल 23 थाई सदस्य सवार थे। इनमें से 20 सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जो फिलहाल ओमान के तट पर हैं। जहाज की मालिक कंपनी प्रेशियस शिपिंग पीसीएल ने जारी एक बयान में कहा, चालक दल के तीन सदस्यों के लापता होने की खबर है ।

फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले की कई नेताओं ने कड़ी निंदा की

श्रीनगर,(वार्ता)

विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इस घटना की गहन जांच की मांग की है। श्री अब्दुल्ला बुधवार रात उस समय बाल-बाल बच गए थे जब एक व्यक्ति ने एक शादी समारोह में बेहद करीब से उनपर गोली चला दी थी। इस दौरान श्री अब्दुल्ला के साथ उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर वानी भी मौजूद थे। आरोपी की पहचान कमल सिंह जामवाल के रूप में हुई है तथा उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हमले पर चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि पुलिस इस परेशान करने वाली सुरक्षा चूक की तह तक जाएगी। उन्होंने एक्स पर कहा, डॉ. फारूक अब्दुल्ला साहब पर हुए गंभीर हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूँ। यह जानकर राहत मिली कि वह सुरक्षित और स्वस्थ हैं। उम्मीद है कि पुलिस सुरक्षा में हुई इस गंभीर चूक की गहराई से जांच करेगी।पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि पुलिस को इस घटना की गहन जांच करनी चाहिए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। श्री आजाद ने एक्स पर लिखा, डॉ. फारूक अब्दुल्ला साहब पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। राहत की बात है कि वह सुरक्षित हैं। पुलिस मामले की जांच करे ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक कर्रा ने फायरिंग की इस घटना को चौंकाने वाला और परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा, हिंसा के ऐसे कृत्य क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य पर गंभीर चिंता पैदा करते हैं। बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने कहा कि हिंसा के ऐसे कृत्य बेहद चिंताजनक हैं और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कश्मीर के मुख्य मौलवी और हुर्रियत अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि लोडेड हथियार वाला व्यक्ति उनके इतने करीब कैसे पहुंचा। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और विधायक सज्जाद लोन ने हमले की निंदा करते हुए अल्लाह का शुक्र अदा किया कि सभी नेता सुरक्षित हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कश्मीर मीडिया प्रभारी साजिद यूसुफ शाह ने भी इस जानलेवा हमले को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि हमारे समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

बसरा के पास भारतीय तेल टैंकर एमटी सेफसी विष्णु पर हमला; एक भारतीय नाविक की मौत

मुंबई,(वार्ता)

इराक के बंदरगाह खोर अल जुबैर पर भारतीय पोत एमटी सेफसी विष्णु पर चल रही शिप-टू-शिप कार्गो लोडिंग ऑपरेशन के हुये हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गयी और 15 अन्य सुरक्षित हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन नौवहन महानिदेशालय, मुंबई की गुरूवार को जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। इसमें कहा गया है कि यह घटना 11 मार्च को रात में हुयी। यह तेल टैंकर इराक के बसरा के पास था और आधिकारिक विवरण के अनुसार, भारतीय समयानुसार रात ढाई बजे इस टैंकर को निशाना बनाया गया। मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाला यह टैंकर, लगभग 48,000 टन नैफ्था ले जा रहा था। उस पर एक अज्ञात वस्तु से हमला किया गया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोटकों से लदी एक सफेद रंग की मानवरहित स्पीडबोट जहाज के दाहिने हिस्से से टकराई, जिससे जहाज पर भीषण आग लग गई। हादसे के बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चालक दल के सभी सदस्य जहाज छोड़कर पानी में कूद गए। उन्हें पास ही काम कर रहे एक लोगों ने बचाया। इराकी कोस्ट गार्ड ने जहाज पर मौजूद सभी 28 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकालकर बसरा बंदरगाह पहुँचाया।

ईंधन संकट: केंद्र सरकार के खिलाफ कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करेंगी ममता

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देश में बढ़ते उर्जा संकट के लिए केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए अगले सप्ताह कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सुश्री बनर्जी केंद्र सरकार द्वारा स्थिति को संभालने में नाकाम रहने के खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतरेंगी। हालांकि, विरोध प्रदर्शन का स्थान अभी तय नहीं किया गया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है और इसका प्रभाव कई देशों में फैल रहा है। इस संकट ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करना शुरू कर दिया है क्योंकि दुनिया की तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से होकर गुजरता है।

रिपोर्टों के अनुसार, संघर्ष के कारण इस जलमार्ग में व्यवधान आने से ईंधन आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे कई देशों में ईंधन की किल्लत पैदा हो गई है।

सुश्री बनर्जी ने केंद्र सरकार पर संकट का अनुमान लगाने और एहतियाती कदम उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र ने केवल 25 दिनों के बाद एलपीजी बुकिंग की अनुमति देने जैसे प्रतिबंध क्यों लगाए और देश के गैस भंडार के बारे में विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया।

हाल ही में, मुख्यमंत्री धर्मतला में धरना दे रही थीं, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत न्यायिक जांच के दायरे में आने वाले मतदाताओं को वैध घोषित किया जाए। उस विरोध प्रदर्शन के दौरान भी उन्होंने ईंधन की कमी का मुद्दा उठाया था। अब, उन्होंने केंद्र की कथित त्रुटिपूर्ण नीतियों के खिलाफ सड़क मार्च आयोजित करके विरोध को तेज करने का फैसला किया है।

सुश्री बनर्जी ने बुधवार दोपहर को स्थिति का आकलन करने के लिए तेल कंपनियों और एलपीजी डीलरों के प्रतिनिधियों के साथ एक आपातकालीन बैठक भी की थी। बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि पेट्रोलियम ईंधन की आपूर्ति अभी गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुई है, लेकिन एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बड़ी समस्या है।

मुख्यमंत्री ने कहा था,हमने संकट से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। डीलरों के साथ चर्चा से हमें पता चला कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति अभी भी अपेक्षाकृत स्थिर है। मुख्य समस्या एलपीजी गैस की है। हमने कहा है कि राज्य में गैस का जो भी स्टॉक उपलब्ध है, उसे बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए।

सुश्री बनर्जी ने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार इस उभरते संकट से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेगी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि रैली के मार्ग और अन्य संगठनात्मक विवरणों को अंतिम रूप दिया जाना अभी बाकी है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

जब आप किसी की मदद करते हैं, तो यह आपका सौभाग्य होता है कि आप ऐसा कर पाये : अक्षय कुमार

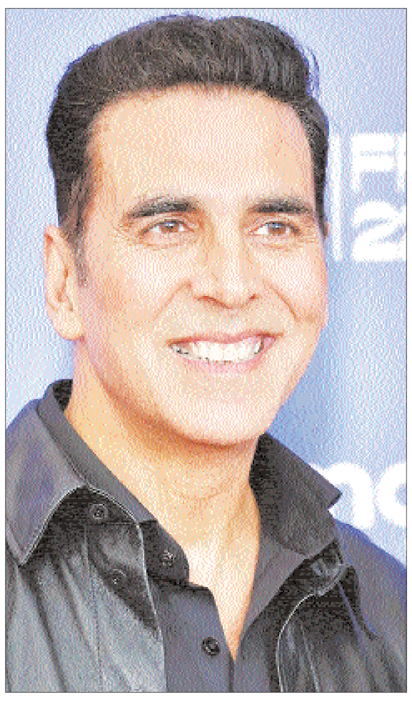

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार का कहना है कि जब आप किसी की मदद करते हैं, तो यह आपका सौभाग्य होता है कि आप ऐसा कर पाये। टीवी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया पर एक भावुक पल देखने को मिला, जब वरिष्ठ पत्रकार सोनल कलरा ने अभिनेता अक्षय कुमार से जुड़ी एक खास कहानी साझा की। इस किस्से ने अक्षय कुमार के उस पहलू को सामने लाया, जिसके बारे में वह अक्सर बात करना पसंद नहीं करते। सोनल कलरा ने बताया कि वह अक्षय कुमार को करीब 20 साल से जानती हैं और उन्होंने उनके व्यक्तित्व का एक अलग ही पक्ष देखा है। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान की एक घटना याद करते हुए कहा कि उस समय देश में कोरोना महामारी के कारण लोग पहले ही परेशान थे, वहीं बिहार और असम में भयंकर बाढ़ की स्थिति भी थी।उन्होंने बताया,मैंने अक्षय को बताया कि लोग लॉकडाउन से चिंतित हैं और उसी समय बिहार और असम में बाढ़ ने हालात और कठिन बना दिए हैं। अचानक अक्षय ने मुझसे कहा, 'क्या आप मुख्यमंत्री कार्यालय का नंबर ढूंढ सकती हैं?'सोनल कलरा ने अपने सूत्रों से नंबर का इंतजाम किया और अक्षय कुमार को दे दिया। कुछ ही घंटों बाद उन्हें एक राजनीतिक पत्रकार का फोन आया, जिसमें पूछा गया कि क्या यह सच है कि अक्षय कुमार ने बिहार और असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में एक-एक करोड़ रुपये दिए हैं।जब उन्होंने इस बारे में अक्षय कुमार से पूछा, तो अभिनेता ने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा, मैंने पैसे दिए हैं, लेकिन इसे दान मत कहिए। मंच पर इस बारे में बात करते हुए अक्षय कुमार ने कहा, मुझे हमेशा लगता है कि 'चैरिटी' या 'डोनेशन' शब्द सबसे खराब शब्द हैं। जब आप किसी की मदद करते हैं, तो यह आपका सौभाग्य होता है कि आप ऐसा कर पाए।उन्होंने कहा, भगवान ने आपको किसी की सेवा करने लायक बनाया है। इसलिए इसे दान नहीं, बल्कि सेवा कहना चाहिए। इस बातचीत ने दर्शकों को भावुक कर दिया और यह याद दिलाया कि असली मायने में मदद वही है, जिसके बारे में अक्सर शोर नहीं किया जाता। अक्षय कुमार ने इसे एक साधारण सेवा की तरह देखा, लेकिन इस कहानी ने यह दिखा दिया कि कई बार किसी व्यक्ति के सबसे बड़े काम वही होते हैं, जिनका वह खुद कभी जिक्र नहीं करता।

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज़

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म धुरंधर= द रिवेंज का टाइटल ट्रैक 'आरी आरी' रिलीज़ हो गया है। हाल ही में रिलीज़ हुआ धुरंधर= द रिवेंज का ट्रेलर लगातार ऊँचाइयाँ छू रहा है और 45 से अधिक देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है।जब से ट्रेलर रिलीज़ हुआ है, तब से फैंस 'आरी आरी' गाने को, जो बैकग्राउंड म्यूज़िक के रूप में इस्तेमाल हुआ था, गुनगुना रहे हैं और गाने के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे।यह हाई-एनर्जी गाना अब टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। जोशीले बीट्स, दमदार वोकल्स और धमाकेदार रैप सेक्शन्स से भरपूर यह गाना फिल्म की तीव्र दुनिया का माहौल तय करता है, साथ ही एक ऐसा म्यूज़िकल अनुभव देता है जो पहले से ही अगले बड़े वायरल एंथम के रूप में उभरता दिख रहा है। शाश्वत सचदेव के संगीत से सजा यह ट्रैक, जिसे शाश्वत सचदेव ने ही कंपोज़, अरेंज और प्रोग्राम किया है, समकालीन प्रोडक्शन को पंजाबी प्रभावों के साथ मिलाकर एक ऐसा साउंड तैयार करता है जो श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर देता है। इस गाने में नवतेज सिंह रेहल (बॉम्बे रॉकर्स), खान साब, जैस्मिन सैंडलास और सुधीर यादववंशी की आवाज़ें हैं, जबकि रैप के हिस्से रेबल और टोकन ने लिखे और परफॉर्म किए हैं।

13 मार्च को फिर से रिलीज होगी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर

जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर, धुरंधर द रिवेंज की रिलीज़ से पहले 13 मार्च को दुनिया भर के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ हो रही है। 19 मार्च को रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर द रिवेंज से पहले, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज अपनी ग्लोबल ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर को एक खास री-रिलीज़ के साथ फिर से बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। यह फिल्म दुनिया भर में करीब 500 स्क्रीन पर दोबारा रिलीज़ होगी, जिसमें भारत में लगभग 250 स्क्रीन पर 12 मार्च (आज) से और विदेशों में करीब 250 स्क्रीन पर 13 मार्च से दिखाई जाएगी। फ्रेंचाइज़ी के फैंस के लिए यह एक शानदार मौका है कि वे उस फिल्म को फिर से सिनेमाघरों में देख सकें जिसने स्पाई-एक्शन जॉनर को नई पहचान दी थी। इसके बाद कुछ ही दिनों में वे इसका सीक्वल धुरंधर द रिवेंज भी बड़े पर्दे पर देख सकेंगे और कहानी के दोनों हिस्सों का अनुभव लगातार कर पाएंगे। भारत में कुछ बड़ी फिल्मों की दोबारा रिलीज़ पहले भी देखी गई है, लेकिन हिंदी फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोबारा रिलीज़ होना बहुत ही कम होता है।

'भूत बंगला' का टीज़र रिलीज

अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का टीज़र रिलीज हो गया है। फिल्म भूत बंगला के साथ बॉलीवुड की सुपरहिट डायरेक्टर-एक्टर जोड़ी, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार, पूरे 14 साल के लंबे गैप के बाद वापस आ रही है। सालों से इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को ऐसी यादगार और बेहतरीन कॉमेडी फिल्में दी हैं, जिन्हें लोग आज भी बड़े चाव से देखते हैं। इसी विरासत की वजह से, यह फिल्म 2026 की सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा पेश की गई भूत बंगला ने उन फैंस के बीच पहले ही यादों का सैलाब ला दिया है, जो इस जोड़ी की कल्ट फिल्में देखकर बड़े हुए हैं। यह फिल्म बॉलीवुड के उस सुनहरे कॉमेडी दौर के जादू को फिर से जगाने का वादा करती है, जिसमें आज के दर्शकों के लिए एक नया और मॉडर्न ट्विस्ट भी होगा। फिल्म के डरावने पोस्टर ने फैंस को पहले ही एक्साइटेड कर दिया था, और अब मेकर्स ने %भूत बंगला% का बहुप्रतीक्षित टीज़र भी रिलीज़ कर दिया है। इसके साथ ही एक कास्ट पोस्टर भी सामने आया है जो इसकी डरावनी पर मज़ेदार दुनिया की पहली झलक दिखाता है। कॉमेडी, हंसी और जबरदस्त पंचलाइन्स से भरपूर यह टीज़र फिल्म की अनोखी हॉरर-कॉमेडी दुनिया का माहौल सेट कर देता है। हालाँकि टीज़र ने फिलहाल हॉरर एलिमेंट्स को थोड़ा छुपा कर रखा है, लेकिन इसने आने वाले डरावने ड्रामे को लेकर उत्सुकता ज़रूर बढ़ा दी है, जो हंसी-मजाक के साथ एक स्पोक्टैकुलर एंटरटेनर होने का वादा करता है। एक और खास बात जो ध्यान खींचती है, वो है परेश रावल, असरानी और राजपाल यादव जैसे दिग्गज एक्टर्स की मौजूदगी।

जनसुनवाई में आमजनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं स्थायी समाधान

630 आवेदनों पर सुनवाई कर सुलझाई लोगों की समस्या

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 630 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं।

जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 630 आवेदनों की प्राप्ति हुई इसके साथ ही पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर विप्र बंधुओं ने जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की कॉलेज के छात्रों ने भी अपनी शुभकामनाएं दी एवं हर परिस्थितियों में खिलाड़ियों विद्यार्थियों को मदद देने हेतु उनका आभार जताया इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

शगुन मैरिज गार्डन नरसिंहपुर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक संपन्न

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। प्रांत बैठक के बाद विश्व हिंदू परिषद जिला नरसिंहपुर की बैठक जिला अध्यक्ष खुमान सिंह पटेल की अध्यक्षता में शगुन मैरिज गार्डन नरसिंहपुर में प्रांत बैठक में लिए गए निर्णय और वर्ष भर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रमों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

जिले के पालक पंकज श्रीवात्रि द्वारा प्रांत बैठक में लिए गए निर्णय और संगठन के विस्तार के बारे में कार्यकर्ताओं को बताया गया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र भाई साहब द्वारा कार्यकर्ताओं को संगठन की पद्धति के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

समाज में फैल रही कुरीतियों और नशे से युवाओं को दूर रहने, नशे का परिवार में होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया। जिला मंत्री रामकुमार लोधी द्वारा संगठन के विस्तार के लिए नए दायित्व की घोषणा की गई। कार्यक्रम में एड. प्रदीप गुप्ता प्रांत सह मंत्री, विभाग मंत्री महेंद्र सिंह चौहान,सुमित ठाकुर विभाग बजरंग दल संयोजक, भगवान दास चढ़ार विभाग सह संयोजक, जिला सह मंत्री धनंजय तिवारी, गोपी रजक, संगठन मंत्री अभय प्रताप, राधे साहू जिला प्रचार प्रसार प्रमुख और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

अग्रवाल युवा परिषद का गठन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस अग्रवाल समाज गाडरवारा के अग्रवाल युवा परिषद का गठन सर्वसम्मति से हुआ जिसमें अध्यक्ष -अंशुल अग्रवाल, उपाध्यक्ष - सी ए कार्तिक खजांची कोषाध्यक्ष - सी ए प्रांजल अग्रवाल सचिव - शुभांशु अग्रवाल सह सचिव - नचिकेत अग्रवाल 2 वर्षों के लिए चुना गया, अग्रवाल समाज के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ जनों ने इन नवीन पदाधिकारी को शुभकामनाएं दी , युवाओं के गठन से समाज को नई गति प्रदान होगी ।

मां कर्मा जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। मां कर्मा जयंती 15 मार्च पर साहू समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है प्रातः 9 बजे झंडा चौक पर दीप प्रज्जवलन एवं पूजन आरती, वाहन रैली मां कर्मा साहू युवा संगठन द्वारा प्रातः 10 बजे झंडा चौक से सुखदेव भवन तक, मां कमी देवी खिचड़ी वितरण - मां कर्मा साहू युवा संगठन द्वारा सांय 4 बजे झंडा चौक पर, मुख्य पूजनज हवन आरती सांय 4 बजे से सुखदेव भवन में, शाम 6 बजे महिलाओ के द्वारा घर से लाई गई पूजन थाळी के द्वारा सामूहिक मां कर्मा की महा आरती की जायेगी।

नारी कल्याण संगठन ने मनाया महिला दिवस

समाज सेवा और जागरूकता

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पिछले 53 वर्षों से कार्यरत नगर की सबसे पुरानी संस्था, ऑफिसर्स लेडीज क्लब एवं नारी कल्याण संगठन ने महिला दिवस पर एक परिचर्चा का आयोजन समाज सेवा और जागरूकता ‑ एक चिंतन विषय पर किया जिसमें नगर की जानी मानी विदुषी महिलाओं के साथ विचार विमर्श किया गया। परिचर्चा में शामिल हुईं डॉ स्वाति मीणा, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती विवेक पांडे , प्रोफेसर कृष्णा शर्मा, डॉ प्रांजल पराड़कर , एडवोकेट श्रीमती सरिता नामदेव, श्रीमती भारती कौरव और सुश्री इंदु सिंह। समाज को भटकाव से बचाने के उद्देश्य से आयोजित इस परिचर्चा में सभी नारी शक्ति संस्थाओं से विचार विमर्श किया गया कि ऐसी जागरूकता फैलाएं कि समाज में स्वस्थ, सुगठित, सुसंस्कारित युवा हों और उन्हें समाज में फैलती असुरक्षा, असंतोष, तनाव, अनैतिकता से बचाया जा सके। परिचर्चा का संचालन संस्था की सचिव श्रीमती ज्योति चौहान ने किया। सभी आमंत्रित महिलाओं को नारी कल्याण संगठन के स्वयं सिद्धा सम्मान से अलंकृत किया गया।

इस अवसर पर विकलांग बच्चों की बहुत ममता से देखरेख करने वाली श्रीमती लावण्य राजमणि दुबे को संगठन की ओर से 7001 रुपए की अनुदान राशि भेंट कर उन्हें भी स्वयं सिद्धा सम्मान दिया गया।

संगठन की दो वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सुनंदा भट्ट और श्रीमती अमिता कुमार को पिछले 40 वर्षों से संगठन से जुड़े रहते हुए लगातार समाज सेवा में संलग्न रहने पर प्रशस्ति पत्र और स्वयं सिद्धा सम्मान दे कर आभार व्यक्त किया गया।सभा में उपस्थित सभी को सह सचिव श्रीमती साधना जैसवाल ने संगठन का संक्षिप्त परिचय दिया । कार्यक्रम का सुनियोजित एवं सफल संचालन पूर्व सचिव श्रीमती शोभा नागपुरे ने किया और कोषाध्यक्ष श्रीमती मनीषा ताम्रकार ने सबका आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर संगठन की सभी सदस्य बड़े उत्साह से उपस्थित रहीं।

अवैध रूप से संचालित भव्या पैथोलॉजी लैब की गई सील

लैब संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बालाघाट जिले की बिरसा तहसील में अवैध रूप से संचालित भव्या पैथोलॉजी लैब एवं एडवांस पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर को बंद करते हुए पैथोलॉजी के संचालक ढालसिंह चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रित्विक पटेल के नेतृत्व में गठित जांच दल ने 8 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा के पास दुर्गा मंदिर कॉम्प्लेक्स, वार्ड क्रमांक 21 में स्थित उक्त पैथोलॉजी लैब का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लैब का संचालन ढालसिंह चौधरी द्वारा किया जा रहा है, जबकि मौके पर वे स्वयं उपस्थित नहीं थे। लैब में केवल दो प्रशिक्षणार्थी मौजूद मिलीं, जिन्होंने बताया कि संचालक की योग्यता डीएमएलटी है, लेकिन निरीक्षण के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता या मध्यप्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीयन से संबंधित कोई प्रमाण-पत्र प्रदर्शित नहीं पाया गया।जांच के दौरान यह भी पाया गया कि लैब में डॉ. विकास बिसेन की एमबीबीएस एवं अस्थि रोग से संबंधित डिग्री की प्रति प्रदर्शित थी, जबकि उनके द्वारा यहां सेवाएं देने संबंधी कोई अनुबंध या सहमति पत्र उपलब्ध नहीं मिला। साथ ही लैब के बाहर एडवांस पैथोलॉजी लैब के कलेक्शन सेंटर का बोर्ड लगा पाया गया, लेकिन इसके संबंध में भी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

निरीक्षण में लैब के भीतर सीबीसी मशीन, बायोकेमिकल एनालाइजर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, कंप्यूटर, प्रिंटर सहित विभिन्न जांच उपकरण तथा कई प्रकार की टेस्ट किट और रिएजेंट भी पाए गए। इसके अलावा लैब से निकलने वाले बायो-मेडिकल वेस्ट को परिसर के पीछे खुले में जलाकर नष्ट किया जाना पाया गया, जो निर्धारित नियमों के विपरीत है। डॉ. उपलप ने बताया कि नियमों के अनुसार पैथोलॉजी परीक्षण की रिपोर्टिंग केवल वही व्यक्ति कर सकता है, जिसके पास पैथोलॉजी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि या डिप्लोमा हो तथा जो मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद में विधिवत पंजीकृत हो। निरीक्षण के दौरान इन प्रावधानों का पालन नहीं पाए जाने पर जांच दल ने जनहित में निर्णय लेते हुए भव्या पैथोलॉजी लैब एवं एडवांस पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया।

प्रशासन द्वारा संचालक को नोटिस जारी कर निर्देशित किया गया है कि वह सात दिवस के भीतर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

7 मई से प्रारंभ होगी परीक्षा

दमोह (स्वतंत्र मत)। विगत वर्ष 2025 से माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मुख्य परीक्षा की तरह द्वितीय अवसर की भी परीक्षा आयोजित की जाती हैए जिसमें विद्यार्थी एक विषय अथवा एक से अधिक विषयों की परीक्षा देकर अपना परीक्षा परिणाम सुधार सकता है। मुख्य परीक्षा के दौरान यदि किसी विद्यार्थी का कोई भी प्रश्न पत्र यदि ठीक नहीं गया है अथवा रिजल्ट आने के बाद उसे एक से अधिक विषयों में अपनी परीक्षा परिणाम में संतुष्टि नहीं है तो ऐसे विद्यार्थी पुनः परीक्षा में बैठ सकते हैं, इसी तरह अनुत्तीर्ण विद्यार्थी भी पुनः अपनी परीक्षा देकर परीक्षा परिणाम सुधार सकते हैं, परीक्षा 7 मई से प्रारंभ होगी तथा जून के अंत तक परीक्षा परिणाम घोषित हो जाएगा। जिससे किसी भी विद्यार्थी का साल बर्बाद नहीं होगा इसके अलावा द्वितीय अवसर की परीक्षा की अंकसूची बिल्कुल प्रथम अवसर की अंकसूची की तरह ही होगी।

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियों हेतु कार्यालय का शुभारंभ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर की आस्था से भरपूर, श्री हनुमान जन्मोत्सव पर्व की तैयारियों हेतु विगत कई वर्षों की परंपरा का निर्वाहन करते हुए इस वर्ष आयोजित होने वाली शोभायात्रा हेतु नगर के ह्रदय स्थल झंडा चौक मन्नत कॉम्प्लेक्स में कार्यालय का शुभारंभ पूजन अर्चन कर सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया । साथ ही अब हनुमान जन्म उत्सव की शोभायात्रा में नगर की एकता सनातनी संस्कारों के साथ हजारों की संख्या में श्रद्धालु रहते हैं। प्रत्येक वर्ष शोभायात्रा में अलग अलग प्रकार की झांकियां, साज सज्जा, ढोल नगाड़े आदि देखने को मिलते हैं।

इस वर्ष भारतीय युवा दल द्वारा नए प्रकार से क्या आयोजित किया जाएगा इस हेतु कार्यालयों में निरंतर नगर के प्रबुद्ध जनों समाजसेवियों के मार्गदर्शन से बैठकों के माध्यम से तय जाएगा ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस ने आयोजित किया एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, स्टॉकिंग एवं दहेज प्रताड़ना जैसे अपराधों के विरुद्ध निडर होकर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा महिला अपराधों के प्रति समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से नरसिंहपुर पुलिस द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम पी.जी. कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. स्वाति मीना उपस्थित रहीं। उनके द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। साथ ही उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा किसी भी प्रकार के अपराध या उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर पुलिस से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम में अति. पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, श्रीमति संध्या कोठारी (सामाजिक कार्यकर्ता), डॉ. आर.बी. सिंह (प्राचार्य पी.जी. कॉलेज), सुश्री प्रांजल मर्सकोले (जिला महिला एवं विकास अधिकारी), श्रीमति सरिता नामदेव (ए.जी.पी., जिला न्यायालय नरसिंहपुर) एवं सुश्री प्राची जैन द्वारा भी महिलाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों, महिला अपराधों की रोकथाम तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। साथ ही उपस्थित छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार के अपराध या उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर पुलिस एवं संबंधित संस्थाओं से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नरसिंहपुर पुलिस द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा महिला अपराधों के प्रति जागरूकता लाने का उद्देश्य। महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, स्टॉकिंग एवं दहेज प्रताड़ना जैसे अपराधों के विरुद्ध निडर होकर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को आत्मरक्षा के उपायों एवं आपात स्थिति में स्वयं को सुरक्षित रखने के तरीकों से अवगत कराया गया। महिला हेल्पलाइन 1090 एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य पुलिस सेवाओं की जानकारी दी गई। निर्भया मोबाइल टीम की भूमिका एवं महिला सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गई। महिलाओं से किसी भी अपराध या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, सामाजिक कार्यकर्ता, महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरही नगर में रोड शो के बाद हजारों किसानों को सौगातें देंगे मुख्यमंत्री

कृषि महोत्सव में विधायक संजय पाठक देखरेख में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगमन की तैयारियां तेज

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही क्षेत्र के किसानों को 50,000 एकड़ भूमि को सिंचित करने वाली उनके खेतों तक पानी पहुंचाने की दो परियोजनाओं को देने के बाद क्षेत्र के किसानों के आमंत्रण के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 मार्च शनिवार को बरही नगर में आगमन हो रहा हैं। जहां मुख्यमंत्री यादव बरही नगर आगमन के बाद 2 किलोमीटर लंबा रोड शो के माध्यम से नगर की जनता के बीच जनदर्शन करेंगे इस दौरान नगर की जनता एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा एवं मालाओं से स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विजयनाथ धाम परिसर के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि महोत्सव कार्यक्रम में 300 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण करेंगे इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 30 पंचायतों के खेतों को सिंचित करने वाली 650 करोड़ की लागत से बनने वाली दो परियोजनाओं एवं 94 करोड़ रुपए से बरही मैहर मार्ग पर कुटेश्वर पुल के क्षति ग्रस्त हिस्से पुनः निर्माण की उपलब्धि देंगे। इस अवसर पर पिछले कई दिनों से विजयराघवगढ़ विधायक संजय पाठक बरही में लगातार कार्यक्रम की तैयारियों पर अधिकारियों के साथ लगे हुए हैं इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का क्षेत्र में आगमन और मिलने वाली ऐतिहासिक सौगातें विजयराघवगढ़ के विकास, बल्कि हमारे किसानों की खुशहाली और क्षेत्र की समृद्धि के लिए एक निर्णायक कदम होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों सहित किसानों से अधिक से अधिक संख्या में कृषि महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार धन्यवाद व्यक्त करने का आवाहन किया।

9 कंपनियों द्वारा 1700 पदों पर होगी भर्ती

मेले के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण अधिकारियों की लगी ड्यूटी

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये एक ही छत के नीचे रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर शनिवार 14 मार्च को बरही के विजयनाथ धाम मेला प्रांगण में प्रातः 11 बजे से सायं 3 बजे तक जिलास्तरीय एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले युवा संगम का आयोजन किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी डी के पासी ने बताया यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंन्द्र, शासकीय नोडल आई.टी.आई कटनी तथा मध्यप्रदेश राज्य डे ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। इस मेले में 9 कंपनियों द्वारा कुल 1700 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिनमें प्रधानमंत्री कौशल केंद्र द्वारा 50, वर्धमान टेक्सटाईल मंडीदीप द्वारा 100, सांईकृपा फैसीलिटिज मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 200, वैष्णवी मैनपॉवर सर्विसेज अंतर्गत पॉलीवांड इंडिया प्राईवेट इंडिया लिमिटेड द्वारा 200, शिवफोर्ड ग्रुप पुणे अंतर्गत जॉबिल सर्किट इंडिया लिमिटेड द्वारा 250, अडानी स्किल सेंटर कैमोर अंतर्गत टाटा मोटर्स गुजरात, आयशर कंपनी पीथमपुर और वोल्वो आयशर भोपाल द्वारा 150, विजन इंडिया प्राईवेट लिमिटेड अंतर्गत सुब्रोस लिमिटेड नोएडा उ.प्र., मारूति सुजकी गुजरात हंसलपुर और लॉजिस्टक संर्डशन द्वारा 300, आटोलाईन इंडस्टीज लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा 400 एवं एलआईसी कटनी द्वारा 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी पासी ने रोजगार मेले के सफल क्रियान्वयन हेतु कटनी जिले की आई.टी.आई के प्रशिक्षण अधिकरियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपते हुए आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार शासकीय आईटीआई कटनी के प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार गर्ग और मुकेश कुमार तिवारी को मेला प्रभारी एवं रोजगार मेले की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि आईटीआई विजयराघवगढ़ के प्रशिक्षण अधिकारी विनोद सिंह, आईटीआई बरही के प्रशिक्षण अधिकारी अनुकरण जलोनहा और सरस्वती बैगा पंजीयन का कार्य करेंगे। इसी प्रकार आईटीआई बरही के प्रशिक्षण अधिकारी राजाराम साकेश और आईटीआई विजयराघवगढ़ के प्रशिक्षण अधिकारी ई जेफ्रीन कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क कर डाटा कलेक्शन एवं सूची तैयार करने का कार्य करेंगे। वहीं प्रशिक्षण आईटीआई विजयराघवगढ़ के प्रशाक्षिण अधिकारी शिव रजक, आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारी आनंद बैगा आनंद बैगा और आईओआई बरही के प्रशिक्षण अधिकारी सुरेश बैगा काउंसलिंग कार्य करेंगे। इसके अलावा आईटीआई विजयराघवगढ़ के प्रशिक्षण अधिकारी सूर्यकांत कुशवाहा नोडल अधिकारी द्वारा सौंपे गए समस्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

वंशरूप वार्ड में विकास को मिली नई रफ्तार, खेरमाई मंदिर परिसर में बाउंड्रीवॉल व शेड निर्माण का भूमिपूजन संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देने के क्रम में बुधवार को वंशरूप वार्ड अंतर्गत खेरमाई मंदिर, चंदी की दफाई क्षेत्र में बाउंड्रीवॉल एवं शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक एवं क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत की उपस्थिति में वार्ड की महिला ममता द्विवेदी से विधिवत पूजा-अर्चना कराकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, पार्षद शशिकांत तिवारी, ओमप्रकाश बल्ली सोनी, विनोद लाला यादव भुद्धू, सरला संतोष मिश्रा, सुशीला मिश्रीलाल, समाजसेवी संजय तिवारी, राजू शर्मा सहित अन्य जनों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में बाउंड्रीवॉल और शेड निर्माण होने से क्षेत्र अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होगा, जिससे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि नगर के धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों के विकास को प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार के कार्य आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना ही नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना भी है। इसी दिशा में सड़कों, नालियों, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत ने कहा कि वंशरूप वार्ड में लंबे समय से मंदिर परिसर की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की जा रही थी। बाउंड्रीवॉल एवं शेड निर्माण कार्य प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और मंदिर परिसर अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनेगा।

प्रेरणा एवं मंथन मंच के द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)। प्रेरणा एवं मंथन मंच कटनी के द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन सुभाष चौक में किया गया। मंच का उद्देश्य कविता को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास रहा है। इसी तारतम्य में आयोजित इस काव्य गोष्ठी का आयोजन डॉ प्रद्युम्न मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। माँ वीणा पाणी की चरण वंदना के पश्चात गोष्ठी का आगाज़ करते हुए अनिल मिश्र ने कहा- लहराती सी बालियां खेतों का श्रृंगार, कृषकों के श्रम ने किया सपनों को साकार। हास्य कवि शरद जायसवाल ने कहा- यूं बदन को ढांपते हम बस्तियां गुज़रा किए, सुर्खियां हम ही बने अब चार लोगों की बदौलत। वरिष्ठ गजलकार चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन ने कहा- मैंने तो खुलकर कहा था मुझको तुमसे प्यार है, मौन का मतलब मैं समझा तुमको ये स्वीकार है। अध्यक्षता कर रहे डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने कहा- समय का संयोग है सम्बन्ध का जुड़ना, स्नेह ही कला है अपनों के दिल मे घुलना। आभार प्रकाश अग्रवाल ने व्यक्त किया।

सुदर्शना महिला सम्मान एवं सुदर्शना प्रतिभा सम्मान होली मिलन समारोह संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)।

महिला दिवस के उपलक्ष में सुदर्शन द्वारा महिला सम्मान समारोह एवं होली उत्सव का कार्यक्रम प्रेम वाटिका भार्गव गार्डन में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता मीरा भार्गव एवं मुख्य अतिथि पूर्वविधायिका सरोज बच्चन नायक एवं विशिष्ट अतिथि ब्रह्माकुमारी आश्रम की संचालिका लक्ष्मी बहन मंगल बहन रहे रही कार्यक्रम के प्रथम चरण में दीप प्रज्वलन के दीप प्रजनन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आदिशक्ति मां दुर्गा लक्ष्मी सरस्वती के चित्र पर हिमालय अर्पण किया गया पूजा माल पर पूजन कर दी प्रजनन किया गया उसके बाद मंगलाचरण आयोजक ग्रुप की ज्योति श्रीवास्तव, कांता भोमिया, शशी दुबे, रंजन गर्ग, शांति शर्मा, शांति तिवारी, नीरू बाजपेई, उर्मिला शर्मा शालिनी अग्रहरि एवं उषा लांबा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में संरक्षक सदस्य आशा कोहली, कल्पना कोटक, निकिता कोटक, सरोज बच्चन नायक, ब्रह्मकुमारी आश्रम की संचालिका लक्ष्मी बहन मंगला बहन डॉ चित्रा प्रभात, गायत्री जैन, मीणा खंडेलवाल, नीति वर्मा दीपशिखा, शिवहरे वंदना गेलानी, शशी यादव का सम्मान गुलाल तिलक लगाकर पुष्प माला पहना कर एवं रंग बिरंगी टोपी पहना कर किया गया।

इसके बाद शशी दुबे द्वारा बड़ी मेहनत से बनाए टाइटल का वाचन बहुत ही मजेदार ढंग से किया। स्वागत की इस क्रम में सभी सुदर्शनाओं के गालों पर गुलाल मल कर और पुष्पहार गले में डाल कर बहुत ही आत्मीय स्वागत किया गया, नई सदस्य दीप शिखा कनकने, ऊषा लम्बा, पुष्पा प्रांजलि का परिचय कराया गया। इसके बाद रंगारंग फैंसी ड्रेस का प्रदर्शन, होली गीत, होली री रसिया बरजोरी रे रसिया का गायन की मनोरम प्रस्तुति विनीता गुप्ता, डॉ चित्रा प्रभात, रेडियो सिंगर गायत्री जैन द्वारा किया गया जिसे सुनकर सभी आनन्द विभोर हो गए। होली खेल रहे बांके बिहारी रंग बरस रहा गीत पर जम कर होली नृत्य हुआ और सुदर्शना में वृंदावन की होली का दृश्य साकार हो गया और

दर्शक दीर्घा में बैठी सभी सुदर्शना उठ कर झूम झूम कर नाचने लगी और यह क्रम देर तक चलता रहा होली के रंग में रंग गए। गीत संगीत नृत्य फैंसी ड्रेस की रंगारंग प्रस्तुति के के बाद जिन प्रतिभाओं का सम्मान सुदर्शन प्रतिभा अवार्ड देकर किया गया उनके नाम हैं, रूबी बरसैंया, रश्मि कनकने, रिचा गेलानी, माया तिवारी, रोशनी टीपा, शोभा अग्रवाल, अनीता सिजरिया, सुमन गुप्ता, प्रीति डेंगरे, अलका अग्रवाल, कांता भौमिया, शशी दुबे, शांति शर्मा, शांति तिवारी, उर्मिला शर्मा, रंजना गर्ग, कल्पना कोटक, निकिता कोटक, वंदना गेलानी, दीपशिखा शिवहरे, तनु गुप्ता, दीपाली गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, आकांक्षा बरसैंया, निधि जैन, आशु सुहाने, हीरामणि बरसैंया, नीति वर्मा, रिचा बाजपेई, विनीता गुप्ता, लक्ष्मी दीक्षित, शक्ति चौहान, गीता पांडे, रूपम मित्रा, अलका वर्मा, सरोज नायक, डॉ चित्रा प्रभात, नीतू लालवानी, सीमा जैन, अलका वर्मा आदि अनेकों प्रतिभाएं सुदर्शना मंच पर सम्मानित हुई। गरिमामय इस कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष का भावभीना सम्मान प्रज्ञा ग्रुप द्वारा शाल श्री फल एवं सम्मान पत्र के साथ स्वयं सिद्धा नारी रत्न सम्मान देकर किया गया। इस अभिनव सम्मान का लेखन एवं वाचन कार्यक्रम संचालन बहुमुखी प्रतिभा की धनी सुदर्शना कांता भौमिया द्वारा किया गया। इस सम्मान पत्र के मोती जैसे सुंदर शब्द सुनकर उपस्थित सभी एवं स्वयं मीरा भार्गव अभिभूत भाव विभोर और निशब्द हो गई प्रज्ञा ग्रुप के इस आत्मीय स्नेह से कृतज्ञ हो मूक आभार एवं आत्मीय स्नेह व्यक्त किया।

ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी लक्ष्मी बहन ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में सुदर्शना क्लब की गतिविधियों और मीरा भार्गव के व्यक्तित्व कृतित्व को सराहा और शाल श्री फल द्वारा सम्मानित किया। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम का बहुत ही सुंदर कुशल संचालन कांता भौमिया, वंदना गेलानी, शशी दुबे ने किया विशेष उपस्थिति, रागिनी मित्तल, रजनी कनकने, सुनीता कनकने, नीता बिचपुरिया, सुशीला शर्मा, गायत्री त्रिवेदी, लता गुप्ता, अंजली सोनी, शालिनी सोनी, शोभा राय, किटी गुप्ता, भारती तिवारी, आरती चौबे प्रीति सुहाने, सारिका त्रिसोलिया, पूनम त्रिसोलिया आदि की रही। कार्यक्रम का आभार डॉ चित्रा प्रभात ने किया और अंत में स्वादिष्ट रात्रि भोज के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

14-15 मार्च की रात बंद रहेगा रेलवे का पीआरएस सिस्टम

टिकट बुकिंग, कैंसिलेशन और पीएनआर पूछताछ सेवाएं रहेंगी प्रभावित

कटनी (स्वतंत्र मत)।

दिल्ली में पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम पीआरएस मेंटेनेंस फाइलों के कम्प्रेशन के कारण 14 मार्च शनिवार व 15 मार्च रविवार की रात को अस्थायी रूप से बंद रहेगा। जिससे टिकट बुकिंग, कैंसिलेशन और पीएनआर पूछताछ सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार दिल्ली की पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम पीआरएस की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने मेंटेनेंस का काम करने का फैसला किया है। इस वजह से कुछ समय के लिए पीआरएस सेवाएं बंद रहेंगी। पीआरएस सेवाएं 14 और 15 मार्च 2026 की दरम्यानी रात शनिवार और रविवार की रात को लगभग 3 घंटे के लिए बंद रहेगी। इस दौरान फाइलों के कम्प्रेशन का काम किया जाएगा ताकि भविष्य में सिस्टम और तेजी से काम कर सके। काम पूरा होते ही सेवाएं फिर से शुरू

कर दी जाएंगी। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की योजना और टिकट संबंधी काम इस समय सीमा को ध्यान में रखकर पहले ही निपटा लें। यह मेंटेनेंस समय-समय पर होता है और इसे आधिकारिक तौर पर समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है। सिस्टम बंद रहने के दौरान 139 सेवा फोन के जरिए पीएनआर या अन्य पूछताछ नहीं हो सकेगी। साथ ही ई-डिमांड रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी इस दौरान नहीं मिलेगी। पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम यानी पीआरएस भारतीय रेलवे का एक कंप्यूटरीकृत नेटवर्क है, जिसके जरिए यात्री अपनी ट्रेनों में बर्थ या सीट रिजर्व कराते हैं। इस सिस्टम के जरिए यात्री रिजर्वेशन काउंटर, वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर टिकट बुक कर सकते हैं। यह सिस्टम मुख्य रूप से 2 तरीकों से काम करता है। पहला ऑफलाइन काउंटर रेलवे स्टेशनों पर मौजूद आरक्षण केंद्रों पीआरएस काउंटर के जरिएए जहां आप फॉर्म भरकर टिकट लेते हैं। दूसरा ऑनलाइन मतलब आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए जो सीधे पीआरएस के डेटाबेस से जुड़ा होता है। सेंट्रलाइज्ड डेटा-पूरे भारत में चलने वाली सभी ट्रेनों की सीटों का डेटा एक जगह स्टोर रहता है। आप भारत के किसी भी कोने से किसी भी अन्य स्टेशन की टिकट बुक कर सकते हैं। यह सिस्टम जनरल, तत्काल, लेडीज, सीनियर सिटीजन और दिव्यांग जैसे अलग-अलग कोटा के तहत सीटों का प्रबंधन करता है। इसके जरिए कंफर्म, वेटिंग लिस्ट और आरएसी टिकट जारी किए जाते हैं। टिकट रद्द करने पर रिफंड की गणना भी इसी सिस्टम द्वारा रेलवे के नियमों के आधार पर की जाती है।

ग्राम पंचायत पहाड़ी में क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित

कटनी (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत कटनी अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ी में गुरूवार को संकल्प से समाधान अभियान के तहत क्लस्टर स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही परिसर में उपलब्ध कराते हुए ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र मुड़वारा के विधायक संदीप जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ बृजनंदन पटेल, जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए।

जयपुर में स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद बैठक सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)। स्वदेशी जागरण मंच की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद बैठक 7 एवं 8 मार्च को जयपुर राजस्थान में सम्पन्न हुई। बैठक में देशभर के 45 प्रांतों से लगभग 395 कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें मातृशक्ति की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ केन्द्रीय अधिकारी मा. वी. भाग्गैया एवं मा. स्वान्त रंजन का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही स्वदेशी जागरण मंच के वरिष्ठ पदाधिकारी मा. आर. सुन्दरम जी, डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा एवं मा. कश्मीरी लाल सहित अन्य केंद्रीय पदाधिकारियों ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक से पूर्व आयोजित उद्यमी सम्मान समारोह एवं स्वदेशी प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य के दो मंत्री, विधायकगण तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक में स्वावलंबी भारत अभियान के विस्तार, स्वदेशी विचार के प्रसार तथा वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों और नई तकनीकों के प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इसी अवसर पर कटनी की वंदना गेलानी को स्वदेशी जागरण मंच के महिला कार्य के अंतर्गत प्रांत सह महिला कार्य प्रमुख का दायित्व प्रदान किया गया।

भगवान ऋषभदेव की जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)। 12 मार्च दिन गुरूवार को जैन समाज के प्रथम तीर्थंकर भगवान 1008 ऋषभदेव का जन्म जयंती बड़े धूमधाम के साथ चन्द्रप्रभ ज्ञानोदय संगीत मंडल कटनी के तत्वावधान में मनाई गई। जिसमें श्री जी के पालकी में शोभायात्रा निकाली गई, शोभायात्रा में लोगों ने रंगोली एवं दीपक के साथ भगवान की आरती उतारी, शोभायात्रा श्री चन्द्रप्रभ जैन मंदिर झण्डाबाजार, बड़े जैन मंदिर, खेर माई मंदिर, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, सुभाष चौक, मेन रोड कांच मंदिर, अल्फर्ट गंज, साधूराम स्कूल होते हुये वापस चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में समाप्त हुई।

सभी ने भगवान की भक्ति के साथ नृत्य किया तथा इसके पश्चात भगवान का मस्ताभिषेक किया गया और अंत में चन्द्रप्रभ मंदिर के बाहर भगवान के जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर फल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम को

सफल बनाने में चन्द्रप्रभ ज्ञानोदय संगीत मंडल के अध्यक्ष सवई सिंघई अनिल जैन, अरविन्द जैन पेटीकोट वाले, अंशुल जैन, योगेष जैन, राजीव जैन, रामकमल जैन, सुनील जैन डालु, नितिन जैन, चन्द्रदर्षन गौर, आषिष जैन, अविनाष जैन, सचिन जैन एवं अन्य जैन समुदाय की महिला एवं पुरूषों का उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने मे विशेष सहयोग रहा।

एचपीवी वैक्सीनेशन को मिली गति

मण्डला (स्वतंत्र मत)। घुघरी स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से 10 मार्च को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय घुघरी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवागत अनुविभागीय अधिकारी घुघरी सचिन जैन ने छात्राओं के बीच पहुंचकर उन्हें जीवन की बारीकियों से अवगत कराया। एसडीएम ने 14 से 15 आयु वर्ग की छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए उन्होंने बताया कि सही समय पर लिया गया टीकाकरण सुरक्षित भविष्य की नींव है। उनकी बातों से प्रभावित होकर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक वैक्सीनेशन कराया।

गाय की सफल सिजेरियन सर्जरी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला पशु चिकित्सालय में दो दिन से प्रसव पीड़ा से परेशान एक गाय का सफल सिजेरियन ऑपरेशन किया गया ऑपरेशन के बाद गाय पूरी तरह स्वस्थ है ग्राम अंजनिया विकासखंड बिछिया निवासी पशुपालक भानु मरावी की गाय पिछले दो दिनों से प्रसव पीड़ा से परेशान थी जांच में पाया गया कि बछडे की मृत्यु हो चुकी थी और सामान्य प्रसव संभव नहीं था ऐसे में चिकित्सकों ने सिजेरियन सर्जरी करने का निर्णय लिया उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. यूएस तिवारी के मार्गदर्शन में जिला पशु चिकित्सालय मंडला में प्रभारी शल्य चिकित्सा विंग डॉ. सुमित कुमार पटेल. डॉ. शरुति गौर रामचंद्र शुक्ला, पारिता जैन एवं आशुतोष चौधरी सहित सहायक स्टॉफकी टीम ने सफलता पूर्वक सर्जरी की चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन के बाद गाय का उपचार किया गया। जिसके बाद उसकी स्थिति सामान्य और स्वस्थ बताई जा रही है पशुपालक ने पशु चिकित्सालय की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बीसीसीआई ने अभ्यास सत्र के नये दिशा-निर्देश किये जारी

मुम्बई (वार्ता)

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभ्यास सत्र के लिए नये दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकती जिसका इस्तेमाल दूसरी टीम ने अपने नेट सत्र के दौरान किया हो। बीसीसीआई की ओर से फ्रेंचाइजी के साथ साझा की गई प्रैक्टिस-सेशन गाइडलाइंस के अनुसार, अगर एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो नए नेट तैयार करने होंगे।

पांच पेज की गाइडलाइंस

पांच पेज की गाइडलाइंस में कहा गया है, हर टीम को उनके तय प्रैक्टिस सेशन के लिए नए नेट दिए जाने चाहिए। अगर एक साथ प्रैक्टिस सेशन होते हैं या जब एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो पहली टीम को दूसरी टीम के नेट (थ्रो डाउन के लिए भी) इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। अगर एक टीम प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को उनके रेंज-हिटिंग विकेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी।

साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं चलना चाहिए मैच

बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई टीम लाइट में अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो मैच साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं चलना चाहिए। टीमों को बीसीसीआई से पहले से इजाजत लेकर अधिक से अधिक दो अभ्यास मैच खेलने की इजाजत होगी और यह मेन स्क्वायर के किसी एक साइड विकेट पर होगा। उन्होंने कहा है कि मेन पिच पर अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता। सीजन के लिए पिच तैयार करने के लिए, संबंधित फ्रैंचाइजी के सीजन के पहले होम मैच से पहले के चार दिनों में मेन चौक पर कोई अभ्यास सत्र या अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता है।

दूसरा अभ्यास मैदान उपलब्ध कराना चाहिए

उन्होंने कहा, इस दौरान, अगर घरेलू फ्रैंचाइजी कहती है, तो स्टेट एसोसिएशन को फ्रैंचाइजी को बिना किसी खर्च के एक दूसरा अभ्यास मैदान उपलब्ध कराना चाहिए। घरेलू टीम को विज़िटिंग साइड पर प्रिफरेंस मिलेगी। हालांकि होम टीम को पसंदीदा सेशन की पहली चॉइस मिलनी चाहिए, लेकिन अवे टीम की रिक्वेस्ट पर ध्यान दिया जाएगा, खासकर अगर उसने पिछले दिन कोई मैच खेला हो और मेहमान टीम के ट्रैवल अरेंजमेंट को ध्यान में रखते हुए।

टकराव होने पर बीसीसीआई दखल देगा

अभ्यास सत्र को लेकर टकराव होने पर बीसीसीआई दखल देगा। अगर होम और मेहमान टीमें एक ही समय पर अभ्यास करना चाहें, तो बीसीसीआई दोनों टीम मैनेजर से डबल बुकिंग को सुलझाने की कोशिश करने के लिए कहेगा - या तो कोई एक टीम दूसरा सेशन ले या दोनों टीमें सत्र साझा करें।

गुंजन, राधामणि और चंद्रिका ने भारत के लिए जीत दर्ज की

बैंकॉक (वार्ता)।

भारतीय मुक्केबाज गुंजन, राधामणि लोंगजाम और चंद्रिका पुजारी ने वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप 2026 के पांचवें दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। सुबह के सत्र में, गुंजन ने (48किग्रा) ने पोलैंड पर 5-0 से एकमत से जीत हासिल की। राधामणि लोंगजाम ने (57किग्रा) भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले राउंड में रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट (आरएससी) से इक्वाडोर की अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराया। हालांकि, प्राची (60किग्रा) स्लोवाकिया से 5-0 से हार गईं, जबकि प्रियांश सेहरावत को (70किग्रा) को पुरुषों के डिवीजन में मोरक्को से 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बाद में शाम के सेशन में, चंद्रिका पुजारी (50 किग्रा) ने यूनाइटेड स्टेट्स पर 5-0 की एकमत से जीत के साथ भारत की जीत में एक और जीत जोड़ दी।

क्रिकेट के मैदान पर चैलेंज लेना पसंद है : बुमराह

नयी दिल्ली (वार्ता)। टी-20 विश्वकप जीताने में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि उन्हें हमेशा चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां लेना पसंद रहा है और यही वजह है कि उन्होंने क्रिकेट को चुना। उन्होंने कहा कि टीम के लिए कुछ अलग करना उन्हें बहुत खुशी देता है भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से साझा किये गये एक वीडियों में बुमराह ने कहा, मैं कभी पीछे नहीं छिपना चाहता।

ड्रेपर ने इंडियन वेल्स के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराया

कैलिफोर्निया (वार्ता)। ब्रिटेन के स्टार जैक ड्रेपर ने बीएनपी परिबास ओपन (इंडियन वेल्स) में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर अपने करियर की सबसे अच्छी जीत में से एक शानदार तरीके से हासिल की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में इस ब्रिटिश खिलाड़ी ड्रेपन ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 स्पर्धा में अपने खिताब के बचाव करने की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। इसी जीत के साथ ड्रेपर क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। ड्रेपर का अगला मुकाबला दो बार के फाइनलिस्ट रूस के डेनियल मेदवेदेव से है, जिन्होंने अमेरिकी एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से हराया। मेदवेदेव ने दो साल पहले रोम में ड्रेपर को हराया था। मुकाबले के बाद ड्रेपर ने कहा, मैं आज रात यहां आया और मैंने वह मैच अपने पक्के इरादे और समस्या को हल करने की कोशिश और अपना सर्वश्रेष्ठ देने और शानदार एटीट्यूड से जीता। मैं बहुत समय से टूर पर नहीं खेल रहा था, इसलिए टॉप खिलाड़ियों को बाहर करना, यह कुछ ऐसा है जो आत्मविश्वास के साथ आता है।

भारतीय क्रिकेट के लिए अगले 12 महीने का व्यस्त कार्यक्रम

मुम्बई (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट टीम का अगले 12 महीनों का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा, जिसमें आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे में मैच के इसके अलावा, एशिन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बंगलादेश, जापान और घरेलू मुकाबले भी शामिल हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में तीन टी-20 मैच खेल सकती है, इसके अलावा आगामी कार्यक्रम में पहले दो टेस्ट मैच शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है कि श्रीलंका में बाढ़ राहत के लिए फंड जुटाने के लिए तीन टी-20 मैच का कार्यक्रम है। टी-20 मैच और दो टेस्ट मैचों से पहले होने की संभावना है। श्रीलंका टूर से पहले भारत एक से 19 जुलाई के बीच तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच के लिए इंग्लैंड जाएगा और रास्ते में आयरलैंड में थोड़ा रुक सकता है। डबलिन में तीन मैचों की सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा, बातचीत चल रही है। और भरोसा जताया कि सीरीज हो जाएगी। बीसीसीआई ने पहले भी सीआई को (2018, 2022 और 2023 में) डबलिन में छोटी सीरीज के लिए सहयोग किया है। अगर बातचीत कामयाब होती है, तो गेम जून के आखिरी हफ्ते में, इंग्लैंड टूर से पहले और अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद निर्धारित किए जा सकते हैं, जो दह से 20 जून के बीच एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलने वाले हैं। श्रीलंका सीरीज के बाद बीसीसीआई को शेड्यूलिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सितंबर में सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज होनी है, जो इंडियन क्रिकेट के लिए पहले से ही एक व्यस्त महीना है। बंगलादेश के छह सफेद गेंद मैच - तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 के लिए दौरे की भी घोषणा की गई है। यह सीरीज, दोनों देशों के बीच हाल के डिप्लोमैटिक तनाव को देखते हुए भारत सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगी।

इस बीच, तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के एक छोटे दौरे की भी बात हो रही है। हालांकि अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह दौरा सितंबर में हो सकता है, लगभग उसी समय जब वेस्ट इंडीज तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 के लिए भारत का दौरा करने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच 2026 एशियन गेम्स भी हैं, जो 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने हैं। गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जायेगी और भारतीय डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट है।

भारतीय महिला टीम का ध्यान खिताब जीतने पर

हैदराबाद (वार्ता)। एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है। मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ ग्रुप स्टेज खत्म किया। पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ, भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग

इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है। क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है।

लौह अयस्क अपशिष्ट को सड़क निर्माण में उपयोग के लिए होगा अनुसंधान

नयी दिल्ली (वार्ता)। सड़क निर्माण में लौह अयस्क के अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एजेंसी वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान परिषद के तहत परिचालित केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान और इस्पात क्षेत्र की आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया के बीच अनुसंधान एवं विकास में सहयोग के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

बाँध के ऊपरी जलक्षेत्रों, जलाशयों में मछली पालन को बढ़ावा देने की नीति

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने कहा है कि मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत बाँध के ऊपरी क्षेत्रों और जलाशयों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाये हैं1 मछली पालन की इन अप्रयुक्त सुविधाओं और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए, मत्स्य पालन विभाग ने सभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और हितधारकों के परामर्श से जलाशय मत्स्य पालन प्रबंधन के लिए मॉडल दिशानिर्देश तैयार किए हैं और कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को भेजे हैं। यह जानकारी मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत, सरकार ने जलाशय मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यों का समर्थन किया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया और 24 पैसे फिसला

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को 25 पैसे और टूट गया। कारोबार की समाप्ति पर डॉलर कल की तुलना में 24 पैसे मजबूत होकर 92.25 रुपये के भाव पर चल रहा था। रुपया इस समय डॉलर के मुकाबले अपने रिकार्ड न्यूनतम स्तर पर है। कल डॉलर 16 पैसे मजबूत हुआ था। कल का बंद भाव 92.01 रुपये प्रति डॉलर था।

अनाज और दालों में तेजी, तेलों में मिला-जुला रुख

नयी दिल्ली (वार्ता) दिल्ली थोक जिंस बाजार में गुरुवार को अनाज और दाल-दलहानों में कुल मिला कर तेजी का रुख रहा। खाद्य तेलों में मूंगफली और वनस्पति तेल को छोड़ बाकी तेलों के भाव चढ़े हुए थे। चीनी और गुड़ बाजार में सामान्य मांग के बीच नरमी का रुख दर्ज किया गया। विदेशी बाजारों में मलेशिया के बुरसा डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम आयल मई वायदा भाव 42 रिंगिट और तेज हो कर 4541 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। बुधवार को पाम आयल वायदा 71 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,499 रिंगिट प्रति टन के आस पास चल रहा था। अमेरिका सोया तेल मई वायदा भी 1.00 प्रतिशत की तेजी से साथ 67.83 डॉलर प्रति पौंड के स्तर पर बोला जा रहा था। कल यह 67.33 सेंट प्रति पौंड के स्तर पर था। स्थानीय बाजार में औसत दर्ज का चावल 15 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी के साथ 3865.49 रुपये प्रति क्विंटल और गेहूं दड़ा 11 रुपये कड़क हो कर 2808.21 रुपये पर पहुंच गया। आटा में दो रुपये की हल्की तेजी दिखी। दालों में चना दाल 8 रुपये प्रति क्विंटल, अरहर 20 रुपये प्रति क्विंटल तेजी पर था। उड़द, मूंग और मसूर के भाव भी हल्के तेज थे। तेलों में तेल सरसों 23 रुपये, सोया 65 रुपये, सूरजमुखी 46 रुपये तथा पाम आयल का भाव 31 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ा हुआ था। इसके विपरीत तेल मूंगफली 41 रुपये और वनस्पति 5 रुपये नरम बोला जा रहा था। चीनी और गुड़ के भाव क्रमश 5 रुपये और 11 रुपये नरम चल रहे थे।दाल चना 7733.53 रुपये, मसूर काली 8082.71 रुपये, मूंग दाल 10145.52 रुपये, उड़द दाल 10749.29 रुपये, तुअर दाल 11242.34 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज गेहूं दड़ा 2808.21 रुपये और चावल 3865.49 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3284.87 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

युद्ध से घबराये स्थानीय शेयर बाजार में तेज गिरावट

मुंबई (वार्ता) ईरान युद्ध लम्बा खिंचने और खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत के दायरे में लुढ़क गये। बाजार कल भी गिरावट में था। बीएसई30 में बिजली क्षेत्र की एनटीपीसी और पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज , सन फार्मा , टेक महिंद्रा और एचसीएल-इन छह शेयरों को छोड़ कर बाकी 24 कंपनियों के शेयर घाटे में बंद हुए। आज के कारोबार में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा , एयरलाइन, वित्तीय सेवा और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर था। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयर भी गिरावट में दिखे। बीएसई 30 सेंसेक्स बुधवार की तुलना में गुरुवार को और 829.29 अंक (1.08 प्रतिशत) गिर कर 76,034.42 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी 227.70 अंक (0.95 प्रतिशत) गिर कर 23,628 . 65 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 394.75 अंक टूटकर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ था। बीएसई30 आज 76,369.65 पर खुला और कारोबार के दौरान ऊपर में 76,681.71 तथा नीचे में 75,871.18 तक गया। इसी तरह आज निफ्टी-50 सूचकांक 23,674.85 पर खुल कर ऊपर में 23,833.15 और नीचे में 23,556.30 तक गया था। आज के कारोबार में गिरावट महिंद्रा एंड महिंदा में दिखी । यह शेयर 4.23 प्रतिशत टूट कर 3032.80 पर बंद हुआ। मारुति 3.60 प्रतिशत टूट कर 13016 रुपये पर टिका। एल एंड टी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी 3 प्रतिशत से अधिक के घाटे में बंद हुए। इंडिगो का शेयर 2.26 प्रतिशत नीचे आया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा 2.19 प्रतिशत की गिरावट आईसीआईसीआई बैंक में रही। कोटक बैंक, एक्सिस बैंक एसबीआई ओर एचडीफसी बैंक भी हानि में बंद हुए। बजाज फिन सर्व भी हानि में रहा। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान लीवर का शेयर 1.22 प्रतिशत टूट गया। इस्पात और अमरीकी बाजार पर अधिक निर्भर टीसीएस और इनफोसिस कंपनियों के शेयर भी बिकवाली के दबाव में थे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सम्पत्ति प्रबंध प्रभाग के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार के निकट भविष्य में अस्थिर बने रहने के आसार हैं। उन्होंने कहा, बाजार पर पश्चिम एशिया के संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली का प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधा की चिंताएँ तब बढ़ गई जब ब्रेंट क्रूड लगभग 9 प्रतिशत उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। यह वृद्धि उन खबरों के बाद आयी है कि ईरान की विस्फोटक से लैस नौकाओं ने दो ईंधन टैंकर-पोत पर हमले किये और कुछ तेल बंदरगाहों पर संचालन रोक दिया गया। इसने वहां संघर्ष के बीच आपूर्ति को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। श्री खेमका ने कहा कि आज मिडकैप 100 सूचकांक में 0.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 में में 0.7 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई। उनके विश्लेषण के अनुसार मार्च में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में लगातार शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। एफआईआई ने स्थानीय बाजार से अब तक लगभग 39,116 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

पैकेजिंग उद्योग आटोमेशन, एआई को अपना कर मानक सुधारे : अजय भादू

नयी दिल्ली (वार्ता)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने गुरुवार को कहा कि भारतीय पैकेजिंग उद्योग ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से उत्पादकता तथा उत्पाद सुरक्षा को बढ़ाने के साथ सामग्री के व्यर्थ नष्ट होने को कम कर सकता है। श्री भादू ने कहा कि क्वालिटी और स्टैंडर्डाइज्ड पैकेजिंग भारतीय उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे एक्सपोर्ट को बढ़ावा मिलता है।दिल्ली में आयोजित पैकेजिंग उद्योग के छठे अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन आईएसपीआई 2026 का उद्घाटन कर रहे थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

तृतीय निविदा सूचना

N.I.T. No./PWD/e-tendering/PRO/978 Date 12/03/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	Date 16/03/2026 Tender ID- 2026_UAD_489378_1	महाराजा अग्रसेन वार्ड अंतर्गत जॉय स्कूल से शक्ति भोग की और डामलीकरण का कार्य। (CM MONIT A+)	04 माह 39.82 लाख	5000/- 29871/-	30/03/2026
2	Date 16/03/2026 Tender ID- 2026_UAD_489378_2	चेरीताल वार्ड अंतर्गत राठौर का चौराहे से शिव शक्ति मंदिर तक एवं नीलेश रावल के घर के सामने से अवस्थी के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य। (CM MONIT A+)	03 माह 6.74 लाख	2000/- 6742/-	30/03/2026
3.	Date 16/03/2026 Tender ID- 2026_UAD_489378_3	जयप्रकाश नारायण वार्ड अंतर्गत कमल बारात घर से मुख्य मार्ग तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य। (CM MONIT A+)	04 माह 54.23 लाख	5000/- 40656/-	30/03/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री लोककर्म विभाग
नगर निगम, जबलपुर

सरसों की खरीदी के लिये भावांतर भुगतान योजना को मिली केन्द्र से स्वीकृति : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान से की मुलाकात

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत् प्रयासों का परिणाम है कि मध्यप्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार से बड़ी राहत और कई महत्वपूर्ण मंज़ूरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर राज्य के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस उच्च स्तरीय चर्चा में ग्रामीण सड़कों सहित अनेक विषयों पर मध्यप्रदेश को बड़ी राहत देने वाले निर्णय लिये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आग्रह पर सरसों की खरीद से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने भावांतर भुगतान योजना के तहत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संबंधित विभागों को भुगतान प्रक्रिया तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। इससे राज्य के सरसों उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

तुअर की शत-प्रतिशत खरीद का मार्ग प्रशस्त

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तुअर (अरहर) की शत-प्रतिशत सरकारी खरीद का स्वीकृति-पत्र भी सौंपा। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के तुअर उत्पादक किसानों की उपज का पूर्ण सरकारी उपार्जन सुनिश्चित होगा, जिससे उन्हें बाजार में भाव गिरने का जोखिम नहीं उठाना पड़ेगा और आय में स्थिरता आयेगी।

दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को दलहन और तिलहन उत्पादन का अग्रणी केंद्र बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर केंद्र और राज्य की संयुक्त टीम द्वारा मूंग, उड़द, चना, तिल, सरसों और पाम ऑयल जैसी फसलों के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों के हितों की बेहतर सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि सोयाबीन जैसी फसलों के आंकलन में केवल सैटेलाइट डेटा के बजाय क्रॉप कटिंग और रिमोट सेंसिंग तरीकों का उपयोग किया जाए, जिससे किसानों को वास्तविक नुकसान के आधार पर मुआवजा मिल सके।

कृषि से जुड़े मुद्दों और योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में मध्यप्रदेश के लिए सरसों और सोयाबीन के भावांतर भुगतान, दलहन मिशन के तहत मूंग-उड़द के अतिरिक्त लक्ष्य, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता कार्यक्रम, मनरेगा मजदूरी और सामग्री भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े मुद्दों पर बिंदुवार चर्चा की गई। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मध्यप्रदेश से जुड़े लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाए, जिससे राज्य के किसानों, मजदूरों और ग्रामीण गरीबों को शीघ्र राहत मिल सके।

ग्रामीण विकास योजनाओं को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है और मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मेरा अपना घर है। किसान कल्याण वर्ष में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि सरसों, तुअर, मूंग, उड़द और तिलहनों की खेती करने वाले किसानों को हर संभव सहायता मिले और राज्य ग्रामीण विकास के हर पैमाने पर अग्रणी बने।

आज लाडली बहनों के खातों में पहुंचेगी योजना की 34वीं किश्त

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर घाटीगाँव में आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक बहनों के बैंक खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। यह राशि योजना की 34वीं किश्त के रूप में बहनों को प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में योजना के अंतर्गत नवंबर माह से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे अब पात्र हितग्राही बहनों को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। प्रदेश में जून 2023 से प्रारंभ हुई यह योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान का नया आधार बनी है। जून 2023 से फरवरी 2026 तक योजना के तहत 33 किश्तों का नियमित अंतरण किया जा चुका है। इस अवधि में 54,140 करोड़ रुपये की राशि बहनों के खातों में सीधे अंतरित की गई है। प्रदेश सरकार अब योजना से जुड़ी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें कौशल उन्नयन, रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना सम्मेलन में ग्वालियर जिले के अंतर्गत लगभग 122 करोड़ लागत के 54 कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इनमें लगभग 62 करोड़ के 19 कार्यों का लोकार्पण और लगभग 60 करोड़ रुपये लागत के 35 कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जिन कार्यों का लोकार्पण किया जायेगा उनमें लगभग 40 करोड़ की लागत से सांदिपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुलैथ का भवन और 9.11 करोड़ की लागत से डाडा खिरक तिघरा मार्ग पर सांक नदी पर नव निर्मित उच्च स्तरीय पुल शामिल हैं। इसके अलावा उप स्वास्थ्य केंद्र बन्हेरी तथा ग्वालियर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में नव निर्मित सड़कें शामिल हैं।

सुनार नदी में करंट लगने से 48 वर्षीय युवक की मौत

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के शास्त्री वार्ड स्थित सुनार नदी में गुरुवार सुबह करंट लगने से 48 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और हटा थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेंगी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान परसराम रैकवार 48 वर्ष पिता गब्बी रैकवार निवासी शास्त्री वार्ड हटा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह नदी किनारे आलू सकला की खेती करने वाले लोगों ने नानाघाट रेस्ट हाउस के पास इंटेक वेल क्षेत्र में नदी में एक शव उतराता देखा। पास ही बिजली का तार टूटा हुआ नजर आया। ग्रामीणों ने तुरंत विद्युत विभाग और डायल 112 को सूचना दी। डायल 112 के स्टाफ और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया, तब उसकी पहचान परसराम रैकवार के रूप में हुई। मौके पर एक टूटा हुआ बिजली का तार शव से लिपटा हुआ मिला, जिससे करंट लगने की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने आरोप लगाया कि रोसरा ग्राम की ओर नदी के ऊपर से खींचे गए बिजली के तारों और अवैध कनेक्शनों के कारण यह हादसा हुआ है।

उनका कहना है कि यदि इन तारों की समय पर निगरानी और कार्रवाई होती तो यह दुर्घटना टाली जा सकती थी। मृतक की पत्नी ने बताया कि परसराम बुधवार रात से घर नहीं लौटे थे। वे कभी-कभी खाना बनाने के ऑर्डर पर काम करते थे और मछली पकड़कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार में वही एकमात्र कमाने वाले थे जिससे घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेंगी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए शव को सिविल अस्पताल हटा भेजा गया है। मर्ग जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि करंट से मौत के मामलों में शासन की ओर से करीब चार लाख रुपये मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का समापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित 21वीं सदी की शिक्षा, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनर्कल्पना विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का द्वितीय दिवस विविध शैक्षणिक गतिविधियों और शोध परक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ। यह सत्र प्राचार्य डॉ. जीपी चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सेमिनार के द्वितीय दिवस का तृतीय तकनीकी सत्र प्रातः 11 बजे माँ सरस्वती के पूजनअर्चन के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एपी मिश्रा, सेवा निवृत्त प्राध्यापक रसायन विज्ञान, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर उपस्थित रहे। साथ ही आमंत्रित वक्ता डॉ. मिथिलेश शरण चौबे, रानी अवंती बाई विश्वविद्यालय सागर तथा मंचासीन अतिथियों में डॉ. पीके ढाका, डॉ. अरुणा जैन, डॉ. रमेश प्रसाद अहरवाल और डॉ. आशा राठौर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता के सवालों का दें जवाब : जीतू पटवारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर 14 मार्च को प्रस्तावित विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के दौरे के संदर्भ में कई गंभीर मुद्दों पर प्रदेश की जनता के सामने स्पष्ट जवाब देने की मांग की है। श्री पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जिस विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर जा रहे हैं, वह वर्तमान में विधायक संजय पाठक का क्षेत्र है। इस क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर आरोप और मामले सामने आए हैं, जिन पर प्रदेश की गरीब, आदिवासी और किसान जनता उत्तर जानना चाहती है।

पटवारी ने मुख्यमंत्री से निम्नलिखित प्रश्नों पर स्पष्टता मांगी है

1. क्या यह सत्य है कि विधानसभा में दिए गए आधिकारिक उत्तर के अनुसार विधायक संजय पाठक की पारिवारिक फर्मों पर लगभग 443 करोड़ रुपये की रिकवरी लंबित है? यदि हाँ, तो इस राशि की वसूली कब की जाएगी और श्री पाठक को डिमांड नोटिस कब जारी किया जाएगा?

2. विधायक संजय पाठक पर लगभग 1143 एकड़ भूमि, जो गरीब आदिवासी परिवारों के नाम पर खरीदी गई बेनामी संपत्ति बताई जा रही है, के मामले में क्या राज्य सरकार कोई ठोस कार्रवाई करेगी?

3. आम सहारा निवेशकों के धन से खरीदी गई लगभग 309 एकड़ जमीन के मामले में क्या श्री संजय पाठक के परिवार के सदस्यों एवं उनकी फर्मों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी? तथा उक्त भूमि को कब तक अटैच किया जाएगा?

4. नगर सुधार न्यास कटनी की योजना क्रमांक 15 की भूमि, जो 311 परिवारों को आवंटित की जानी थी, उस पर अवैध कब्जे के आरोप लगे हैं। क्या इस भूमि को पुनः नगर निगम के अधिकार में लाया जाएगा ताकि आम जनता को नियमानुसार सस्ती दरों पर प्लॉट उपलब्ध हो सकें?

5. यह भी गंभीर आरोप सामने आए हैं कि विधायक संजय पाठक ने न्यायाधीश महोदय के निर्णय को प्रभावित करने का प्रयास किया तथा उन पर दबाव बनाया, जिसका उल्लेख न्यायालय के आदेश में भी किया गया है। इस अत्यंत गंभीर प्रकरण पर राज्य सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की है?

श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश की जनता यह भी जानना चाहती है कि विधायक संजय पाठक के विरुद्ध उठ रहे इन गंभीर मामलों में अब तक कार्रवाई न होना प्रशासनिक शिथिलता का परिणाम है या इसके पीछे राजनीतिक संरक्षण अथवा कोई समझौता काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और संविधान की सर्वोच्चता सर्वोपरि है। इसलिए अपेक्षा है कि मुख्यमंत्री विजयराघवगढ़ आगमन के अवसर पर प्रदेश की जनता के इन प्रश्नों का स्पष्ट और तथ्यात्मक उत्तर देंगे तथा यदि आरोप सत्य हैं तो निष्पक्ष एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

ईरान-इजरायल तनाव का असर रसोई गैस में महंगाई की आग

हटा (स्वतंत्र मत)। ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद वैश्विक तनाव का असर अब आम लोगों की रसोई तक पहुंचने लगा है। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी कर दी है जबकि 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 115 रुपए तक वृद्धि की गई है। नई दरें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी का असर मध्यप्रदेश सहित दमोह जिले और हटा क्षेत्र में भी देखने को मिला। शनिवार को जब लोग हटा गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने पहुंचे तो उन्हें पुरानी दर 932 रुपए के स्थान पर 992 रुपए की नई रसीद दी गई। अचानक कीमत बढ़ने से कई उपभोक्ता हैरान रह गए और गैस एजेंसी पर वितरक व ग्राहकों के बीच बहस की स्थिति भी देखने को मिली। कई उपभोक्ता ऐसे भी थे जो नगद बुकिंग करने पहुंचे थे लेकिन अचानक बढ़ी कीमत के कारण उनके पास पैसे कम पड़ गए। ऐसे में कुछ लोगों को आसपास से उधार लेना पड़ा तो कुछ ने मोबाइल से ऑनलाइन भुगतान किया या घर जाकर अतिरिक्त पैसे लाकर सिलेंडर लिया। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर सीधे तौर पर भारतीय रसोई पर पड़ता नजर आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहा तनाव या संघर्ष लंबा खिंचता है तो आने वाले दिनों में पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

दमोह में खुला एएसआई का उपमंडल कार्यालय

इससे न केवल ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को बल मिलेगा

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एएसआई का उपमंडल कार्यालय शुरू होने से जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। अब तक पुरातत्व से संबंधित कार्यों और फाइलों के लिए अधिकारियों को जबलपुर जाना पड़ता था जिससे काफी समय लगता था लेकिन अब कार्यालय जिले में ही उपलब्ध होने से प्रक्रियाएं अधिक तेज और सुविधाजनक हो जाएंगी। इस आशय के विचार संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जबलपुर मण्डल के अंतर्गत उप मण्डल कार्यालय दमोह के उद्घाटन के दौरान व्यक्त किये।

राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि दमोह जिला विरासत और पुरातत्व की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिले में नोहटा का शिव मंदिर, कोडल का प्राचीन शिव मंदिर, बांदकपुर धाम और कुंडलपुर धाम जैसे अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल मौजूद हैं। ऐसे में एएसआई के उपमंडल कार्यालय के खुलने से इन धरोहरों के संरक्षण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। नोहटा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए डिवाइडर और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही रानी दमयंती के किले का लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा जहां लाइट एंड साउंड शो की भी व्यवस्था प्रस्तावित है। विधायक जयंत मलैया ने कहा कि एएसआई के लिए पुराने गिरजाघर भवन का उपयोग किया जा रहा है जो एक अच्छा और उपयोगी निर्णय है। उन्होंने इसके लिए कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की सराहना करते हुए कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र पांचवीं से आठवीं शताब्दी की ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। एएसआई कार्यालय के शुरू होने से इन धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ उन स्थानों का भी पता लगाया जा सकेगा जो अभी तक व्यापक रूप से सामने नहीं आ पाए हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और आने वाले समय में दमोह एक महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र के रूप में उभर सकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा एएसआई का कार्यालय खुलने से न केवल जिले की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण कार्य को गति मिलेगीए बल्कि दमोह को इसका सीधा लाभ भी प्राप्त होगा। अधीक्षण पुरातत्वविद् भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण शिवाकांत बाजपेयी ने बताया कि जिस भवन में कार्यालय स्थापित किया गया है वह ब्रिटिश काल की पुरानी इमारत है। पहले इसका उपयोग चर्च के रूप में किया जाता था लेकिन पिछले कई वर्षों से यह परित्यक्त अवस्था में पड़ी हुई थी और इसका कोई उपयोग नहीं हो रहा था। स्थानीय स्तर पर इस भवन को गिरजाघरके नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि दमोह में एएसआई के उपमंडल कार्यालय की स्थापना से जिले के राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों की देखरेख और संरक्षण कार्यों में काफी सुविधा मिलेगी। अभी तक इन स्मारकों का संचालन सागर उपमंडल कार्यालय के माध्यम से किया जाता था लेकिन अब दमोह में अलग कार्यालय होने से पुरातात्विक गतिविधियों को गति मिलेगी और स्मारकों की सुरक्षा व रखरखाव बेहतर ढंग से हो सकेगा।

विकास के लिए पूंजीगत व्यय सर्वोच्च प्राथमिकता : देवड़ा

- मजबूत कर-संग्रह और बढ़ते पूंजीगत निवेश से सुदृढ़ हुई राज्य की वित्तीय स्थिति

भोपाल (स्वतंत्र मत)

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि दूसरी वार्षिक रिपोर्ट में मध्यप्रदेश के राजस्व प्रदर्शन का सकारात्मक आकलन राज्य की वित्तीय अनुशासन और विकासोन्मुख नीतियों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई गति मिली है और निवेश का माहौल लगातार बेहतर हुआ है। मध्यप्रदेश की राजकोषीय स्थिति में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। नीति आयोग द्वारा जारी दूसरी वार्षिक रिपोर्ट में राज्य के वित्तीय प्रबंधन और राजस्व प्रदर्शन का सकारात्मक मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश ने वर्ष 2021-22 से लगातार राजस्व अधिशेष बनाए रखा है, जो मजबूत कर-संग्रह और राज्य के अपने राजस्व स्रोतों में वृद्धि का परिणाम है। दूसरी वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी हैं। यह वृद्धि मुख्य रूप से जीएसटी, आबकारी और व्यापार करों की प्रभावी वसूली के कारण संभव हुई है। फिस्कल हेल्थ इंडेक्स राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन का व्यापक और तुलनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करता है तथा साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को प्रोत्साहित करता है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार विकास को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अधोसंरचनात्मक विकास के लिए पूंजीगत व्यय 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जो एक नया कीर्तिमान होगा।

वर्तमान में पूंजीगत व्यय राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.8 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि राज्य में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों, पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं जैसी अधोसंरचनाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूंजीगत व्यय 57,348 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान में 74,662 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। यह वृद्धि 30 प्रतिशत से अधिक है और दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव तैयार करती है।

दूसरी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों में 58.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि में राज्य के कर राजस्व में 62.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें स्टेट जीएसटी, व्यापार एवं बिक्री कर तथा राज्य आबकारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही पेंशन और ब्याज देनदारियों में वृद्धि के कारण प्रतिबद्ध व्यय कुल राजस्व व्यय का 43 प्रतिशत से अधिक हो गया है। राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय पर लगातार ध्यान बनाए रखा है, जो पिछले 5 वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि राज्य सरकार बुनियादी ढाँचे के निर्माण और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य का ऋण स्तर अभी भी वैधानिक सीमाओं में है, जो वित्तीय अनुशासन और संतुलित राजकोषीय प्रबंधन को दर्शाता है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 12/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राहुल अग्रवाल पिता कैलाश कुमार अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 43 वाटर स्टेन कालोनी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002088075 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 1240 व.फु. प्रथम तल 1240 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री श्याम सुंदर पिता शत्रुघन साहू का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 12/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति सरोज साहू पति स्व. शंकर लाल साहू ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक दुर्गा नगर भटौली सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000375095 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 200 व.फु. पर निम्न दस्तावेज अनुबंध विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति प्रीति पटेल पिता/पति राजेश पटेल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2025-26
दिनांक 12/3/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति सितारावती बसोर पति राजेश बसोर ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 301/1 भटौली दुर्गा नगर सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004545027 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 450 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 400 व.फु. कच्चा पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र अनुबंधित विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति पूनम केवट पति श्री धर्मेन्द्र केवट का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

नहीं हो रही बुकिंग...कैसे करें कुकिंग

कलेक्टर ने कहा जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने गुरूवार को दो सत्रों में एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन व्यवस्था के संबंध में बैठक की। उन्होंने प्रथम सत्र में चिकित्सा, शिक्षा, रेलवे रक्षा संस्थान आदि के प्रतिनिधियों से उनके घरेलू गैस सिलेंडर की आवश्यकता के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधियों से पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस की उपलब्धता की जानकारी भी ली गई। जिसमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड व भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने पर्याप्त स्टॉक एवं आपूर्ति की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने एलपीजी

गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा कर घरेलू गैस उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। इस दौरान बताया गया कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। एलपीजी की आपूर्ति मुख्य रूप से घरेलू उपयोग के लिए ही सुरक्षित रखी जाएगी।

कई दिनों से नहीं लग रहा बुकिंग नम्बर

इधर बताया जा रहा है कि जिले की गैस एंजेसियों में सिलेण्डर के लिए लग रही भीड़ का मुख्य कारण मोबाइल के माध्यम से की जाने वाली बुकिंग है। जिसे उपभोक्ता घर बैठे फोन के माध्यम से बुक कर सिलेण्डर अपने घरों में प्राप्त करते हैं। परंतु उपभोक्ताओं का कहना है कि पिछले कई दिनों गैस बुकिंग के संबधित नम्बर नहीं लग रहे हैं। जिस कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई है। और वे एंजेसियों में पहुंच रहे हैं। इधर बैठक में कलेक्टर ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की रिफिल बुकिंग अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बीत जाने के बाद ही स्वीकार की जाएगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य जिले में गैस की कालाबाजारी और अनावश्यक अफरा-तफरी को रोकना है ताकि प्रत्येक परिवार को सुचारू रूप से गैस सिलेंडर मिल सके।

दूसरे सत्र में वाणिज्यिक उपभोक्ताओं व गैस ऐजेंसी संचालको की बैठक कर कहा कि पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। लेकिन वर्तमान नई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये जिले में अनिवार्य सेवाओं को छोड़कर अन्य किसी भी व्यावसायिक इकाई जैसे होटल, मॉल या औद्योगिक क्षेत्रों को कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति फिलहाल नहीं की जाएगी।

कार चालक ने 2 युवकों को मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंझौली थानातंर्गत सिमरिया रोड पर बीती रात एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए रोड पर घूम रहे दो युवकों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों को गंभीर चोटे आ गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद घायलों को उनके साथियों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बताया कि गोहलपुर अमखेरा निवासी 30 वर्षीय अशोकदास बैरागी खाना बनाने का काम करता है। बीते दिवस वह अपने साथी ओमप्रकाश परते, पदम सिंह परते एवं भाई जगदीश बैरागी के साथ मंझौली शादी में खाना बनाने के लिये गये थे। जहां उसका भाई जगदीश बैरागी अपने साथी पदम सिंह के साथ पैदल घूमने सिमरिया रोड तरफ गया था।

युकां ने चूल्हा जलाकर गैस संकट के खिलाफ किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्रमत)।

शहर में बढ़ती महंगाई और एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर गुरुवार को युवा कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन किया। मालवीय चौक पर युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले और कपिल भोजक के नेतृत्व आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चूल्हा जलाकर पकौड़े और चाय बनाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और गैस संकट को लेकर जनता की परेशानियों को सामने रखा। युवा कांग्रेस के निलेश जैन (नीटू) और अभ्युत बाजपेयी ने कहा कि देशभर में एलपीजी गैस की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं और कई जगहों पर गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को हो रही है।

रसोई गैस महंगी होने से घर का बजट बिगड़ रहा है और लोगों को मजबूरी में फिर से चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। अगर इसी तरह महंगाई बढ़ती रही और गैस सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से बाहर होता गया, तो लोगों को फिर से पुराने तरीके अपनाने पड़ेंगे। इस अवसर पर शिशिर नन्होरिया, रिंकू बदलानी, नितिन सिंह, भानु यादव, राजा रैकवार, बदल पंजवानी, समीर गढ़वाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाना नहीं देने पर बेटे ने कर दी मां की हत्या

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। कुंडम के ग्राम जमुनिया में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक कलयुगी बेटे ने मां द्वारा खाना नहीं देने की बात पर मां की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी ने जब मां से खाना मांगा तो मां के मना करने पर पहले उसने तसले से हमला किया और फिर हंसिया से गले और सिर पर वार कर दिया। मौके पर ही महिला की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी पिता, भाई और बहन को धमकी देकर जंगल की ओर भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर गुरुवार शाम आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए कुंडम स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। जानकारी अनुसार ग्राम जमुनिया बदरिया निवासी जमुना मरावी गुरुवार सुबह घर पर काम कर रही थीं। इसी दौरान

उनका बड़ा बेटा दीपक मरावी घर पहुंचा और खाने की मांग करने लगा। मां ने बताया कि खाना अभी बना नहीं है और थोड़ा समय लगेगा। इस बात पर दीपक गुस्से में आ गया और मां से बहस करने लगा। घर में मौजूद छोटे भाई और बहन ने बीच-बचाव किया, जिससे कुछ देर के लिए विवाद शांत हो गया। करीब आधे घंटे बाद दीपक फिर मां के पास पहुंचा और विवाद करने लगा। अचानक उसने घर में रखा तसला उठाकर मां पर हमला कर दिया।

मोबाइल लूट ले गए लुटेरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती पुलिस ने बताया कि अधारताल आजाद नगर निवासी 19 वर्षीय मोह. सोहेल बीती रात करीब साढ़े नौ बजे काम कर घंटाघर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मशीन वाले बाबा की मजार के पास पहुंचा, उसी समय पीछे से आ रहे मोटर साइकिल सवार अज्ञात बदमाश ने झपट्टा मारकर उसका मोटारोला कंपनी का मोबाईल झपट लिया और मौके से फरार हो गया।

श्रीमान! कहां गई 176 किसानों की धान

33 दिनों से धरने पर बैठे मझौली के दर्जनों किसान, कांग्रेस ने फूंका पुतला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली तहसील क्षेत्र में धान की फसल के भुगतान को लेकर किसानों की समस्या लगातार गहराती जा रही है। किसानों का आरोप है कि अपनी उपज समर्थन मूल्य पर विक्रय करने के बाद भी उन्हें अब तक भुगतान नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि ऐसे कुल 174 किसान हैं, जिन्हें भुगतान की पर्ची मिलने और पोर्टल में चढ़ जाने के बाद भी भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। किसानों के समर्थन में गुरूवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं क्षेत्रीय विधायक का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

ये है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार मझौली तहसील कार्यालय के सामने किसान पिछले एक माह से अधिक समय से धान की फसल

के भुगतान की मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने शासन की नीति के तहत अपनी धान की उपज खरीदी केंद्रों में जमा कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल पाया है। भुगतान में हो रही देरी के कारण किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और अपने ही मेहनत की कमाई के लिए भटकने को मजबूर हैं। धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के सामने अपनी समस्या रखी, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। किसानों के अनुसार भुगतान में देरी होने से खेती के अगले सीजन की तैयारी पर भी असर पड़ रहा है। कई किसानों को घरेलू खर्च और खेती के कामकाज के लिए उधार लेना पड़ रहा है। इधर बताया जा रहा है कि जिन 174 किसानों ने अपनी धान जमा की है, उसका स्टॉक प्रशासन के पास मौजूद ही नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन के पास उक्त किसानों की धान का स्टॉक नहीं है तो उन्होंने फिर किसानों को भुगतान पर्ची क्यों दी। साथ ही उनका नाम और स्टॉक की संख्या पोर्टल में क्यों चढ़ाई। क्षेत्रीय किसान रंजीत पटैल सहित प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि जल्द ही किसानों के धान का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेश मांझी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, जिला महासचिव दिलीप सिंह राजपूत आदि मौजूद रहे।

कलेक्टर से 17 बार मिले किसान

इस मामले को लेकर क्षेत्रीय किसानों का आरोप है कि धान भुगतान की समस्या को लेकर उन्होंने लगभग 17 बार जिला कलेक्टर से मुलाकात की। परंतु हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया गया। जिसके परिणाम स्वरूप वे पिछले 33 दिनों से धरने पर बैठे हुए हैं।

किसानों ने बताया कि अपनी समस्या को लेकर उन्होंने फरवरी माह में 15 बार और अभी मार्च में 2 बार कलेक्टर से मुलाकात कर चुकें हैं। परंतु उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**